आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार
यश भारत
16 वें वर्ष में प्रवेश

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिंन करें
WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 16 अंक 40- ● जबलपुर ● शनिवार, 12 मार्च, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष-10 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

वरिष्ठ कांग्रेसियों में चिंता की लकीरें

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद जहां भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी अपनी सफलता को लेकर जश्न मना रही हैं, वहीं कांग्रेस से लेकर समाजवादी पार्टी फिलहाल मंथन में जुटी हैं। खासकर कांग्रेस में तो लगातार खराब प्रदर्शन को लेकर शीर्ष नेतृत्व पर ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। अब पांचों राज्यों के नतीजे आने के बाद आत्ममंथन के लिए जो बैठक हुई, उसमें कुछ बड़े नेताओं ने सीधे तौर पर राहुल गांधी को आड़े हाथों ले लिया। इन नेताओं का कहना था कि उन्हें राहुल के नेतृत्व पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। रिपोर्ट्स की मानें तो जिस बैठक में ये बात कही गई, उसमें कांग्रेस के कई पदाधिकारी और बड़े नेता शामिल रहे। इनमें एक नाम राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता आनंद शर्मा का

पांच राज्यों के चुनाव नतीजे के बाद कांग्रेस की बैठक

रहा। इसके लिए सांसद कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी और अखिलेश प्रसाद सिंह भी बैठक में शामिल रहे। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुछ अन्य नेता इस मीटिंग से वर्चुअल तौर पर जुड़े थे। बताया गया है कि बैठक के दौरान इन नेताओं ने कांग्रेस पर अस्तित्व के संकट का खतरा भी बताया और साफ किया कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए तो आगे पार्टी को अगर मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इन नेताओं ने पंजाब में कांग्रेस के विकल्प के तौर पर आम आदमी पार्टी के उभार पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस तरह के बदलाव पार्टी को उन सभी राज्यों में हाशिए पर धकेल देंगे, जहां क्षेत्रीय दल आगे आ रहे हैं।

नतीजों का पहले से अंदाजा था कांग्रेस के जी-23ग्रुप से जुड़े हुए एक और वरिष्ठ नेता का कहना है कि उनको तो पंजाब समेत अन्य राज्यों के परिणामों का पहले से ही अंदाजा था। उक्त नेता का कहना है कि जब तक पार्टी में चापलूस और नेतृत्व की आंखों में धूल झोंकने वाले लोगों को राइट टाइम नहीं किया जाता है तब तक पार्टी ऐसे ही बिखराव की ओर बढ़ती रहेगी। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जी-23 से जुड़े नेताओं से हुई बातचीत के अनुसार यह था कि पंजाब में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो रही है और उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी की मेहनत बेकार जा रही है।

कद्दावर नेताओं को नजरअंदाज किया गया जी-23ग्रुप से जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पंजाब में कांग्रेस के कई कद्दावर नेताओं को दरकिनार कर जिस तरीके से टिकट वितरण किया गया और पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू का पूर्व मुख्यमंत्री रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच तू-तू मैं-मैं हुई, उससे पार्टी के कार्यकर्ताओं का न सिर्फ मनोबल टूटा बल्कि उनको दूसरे बेहतर विकल्प भी मिले।

जेलेंस्की ने बताया- लोकतंत्र की हत्या

यूक्रेनी शहर के मेयर को रूसी सेना ने किया अगवा

कीव/मॉस्को/ वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच लगातार 17 वें दिन भी जंग जारी है। दोनों देश एक दूसरे के सामने झुकने के लिए तैयार नहीं हैं। कीव को तबाह करने के लिए रूस फाइनल तैयारी में लगा है। कई देशों द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद रूसी सैनिक यूक्रेन पर बम बरसाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

इस बीच यूक्रेन के मेलिटोपोल शहर के मेयर इवान फेडोरोव का कथित तौर पर रूसी सेना द्वारा अपहरण कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि मेयर ने रूसी सेना को सहयोग करने से इनकार कर दिया था। वहीं इस घटना की निंदा करते हुए राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि मेलिटोपोल के मेयर का अपहरण लोकतंत्र के खिलाफ एक युद्ध अपराध है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि सभी लोकतांत्रिक देशों में 100त्न लोग इसके बारे में जानेंगे और फिर इसका विरोध करेंगे।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी प्रशासन ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता पर पाबंदी लगा दी है। वहीं इंटरनेशनल कोर्ट में भी रूस को घेरने की तैयारी हो रही है।

25 लाख लोगों ने छोड़ा यूक्रेन संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 24 फरवरी को रूस के आक्रमण शुरू होने के बाद से कम से कम 25 लाख यूक्रेनियन देश छोड़कर भाग गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुसार, अनुमानित 40 लाख लोग यूक्रेन से भाग सकते हैं।

कीव में कई धमाके समाचार चैनल सीएनएन के अनुसार, यूक्रेन की राजधानी कीव में कई धमाके सुने गए हैं। इसके अलावा कीव के बाहर के क्षेत्रों में भी भारी लड़ाई चल रही है, जिसमें बुका, इरपिन और होस्टोमेल शामिल हैं।

जैविक हथियार के लिए पैसे भेज रहा अमेरिका, चीन बोला- जांच होनी चाहिए

युद्ध संकट के बीच रूस ने दावा किया है कि अमेरिका यूक्रेन को जैविक हथियार के लिए वित्त पोषित कर रहा है। रूस ने कहा कि यूक्रेन में अपने सैन्य ऑपरेशन के दौरान वहां जैविक हथियार बनाने के मजबूत सबूत मिले हैं और इसके पीछे अमेरिका का हाथ है। वहीं इस दावे को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को एक बैठक भी बुलाई। इस बैठक में अमेरिका ने भी पलटवार किया।

बाइडेन ने पुतिन को दी धमकी रूस-अमेरिका में जंग हुई तो छिड़ जाएगा तीसरा विश्व युद्ध

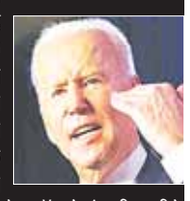

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिका आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि यदि रूस उक्रेन के खिलाफ रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करता है तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में रूस से नहीं लड़ेगा, क्योंकि नाटो और मॉस्को के बीच सीधे टकराव से तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो जाएगा। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन के डोनेट्स्क और लुहान्स्क को स्वतंत्र क्षेत्रों के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन में एक सैन्य अभियान शुरू कर दिया था। इस युद्ध से अब तक दोनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है। बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित भी होना पड़ा है।अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम यूरोप में अपने सहयोगियों के साथ खड़े रहेंगे और सही संदेश देंगे।

घाटी में सुरक्षाबलों ने चार आतंकियों को किया ढेर

जम्मू। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार रात से 4-5 अलग-अलग स्थानों पर आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में चार आतंकियों को ढेर कर दिया है जबकि एक आतंकी को जिंदा पकड़ा है। पुलवामा में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों का सफाया कर दिया है। गांदरबल और हंदवाड़ा में भी एक-एक आतंकी मारा जा चुका है। एक आतंकी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हंदवाड़ा और पुलवामा में मुठभेड़ समाप्त हो चुकी है। समाचार एजेंसी ं के अनुसार, पुलवामा मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए हैं। गांदरबल में मुठभेड़ जारी है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि शुक्रवार रात हमने 4-5 स्थानों पर

एक दहशतगर्द गिरफ्तार, गांदरबल में अभियान जारी

संयुक्त अभियान शुरू किया था। अब तक पुलवामा में एक पाकिस्तान समेत जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकी व गांदरबल और हंदवाड़ा में लश्कर-ए-तैयबा के एक-एक आतंकी को मारा जा चुका है। पुलवामा में मारा गया पाकिस्तानी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर कमाल भाई है, जो साल 2018 से एक्टिव था। हंदवाड़ा और पुलवामा में मुठभेड़ समाप्त हो चुकी है। एक आतंकवादी को गिरफ्तार भी किया गया है।इससे पहले कुलगाम जिले के अड़ूरा गांव में शुक्रवार की शाम आतंकियों ने एक सरपंच के घर पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। आतंकियों ने पास से गोली मारी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया। शब्बीर की पत्नी भी अड़ूरा के वार्ड तीन से पंच हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन आतंकियों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। आतंकी इस महीने अब तक तीन पंचायत प्रतिनिधियों की हत्या कर चुके हैं। पुलिस ने बताया कि शाम 8.50 बजे अड़ूरा गांव में पहुंचे आतंकियों ने सरपंच शब्बीर अहमद मीर को निशाना बनाकर फायरिंग की। इसमें वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। इसके बाद आतंकी धमकी देते हुए भाग निकले। घटना के बाद परिवार वालों ने तत्काल उन्हें कुलगाम जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मुजफ्फर ने बताया कि सरपंच को पेट में गोली लगी थी। अस्पताल में उन्हें मृत अवस्था में लाया गया था। घटना के बाद सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी हासिल की। आसपास के इलाकों को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

होली से पहले मोदी सरकार ने कर्मचारियों को दिया झटका

नई दिल्ली। ईपीएफ की बैठक में पीएफ की ब्याज दर घटाने का फैसला किया गया है। पहले यह 8.5 फीसदी था, जो अब न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार 8.1 फीसदी कर दिया गया है। 11 मार्च, शुक्रवार को ही ईपीएफओ की दो दिवसीय बैठक शुरू हुई थी, जो आज खत्म हो गई है। ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2020-21 और इससे पिछले वित्त वर्ष में 8.5 फीसदी ब्याज तय की थी। इससे पहले 2018-19 में ईपीएफओ पर 8.65 प्रतिशत का ब्याज दिया गया था। ईपीएफओ ने 2016-17 और 2017-18 में भी 8.65 प्रतिशत का ब्याज दिया था। वहीं, 2015-16 में ब्याज दर 8.8 फीसदी, 2013-14 और 2014-15 में भी 8.75 प्रतिशत थी।रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई है। आशंका जताई जा रही थी कि इससे कमाई प्रभावित हो सकती है। ऐसे में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए पीएफ की ब्याज दरों को स्थिर रखा जा सकता है या इसमें कटौती की भी जा सकती है। अब इसमें कटौती का फैसला लिया गया है।

पीएफ पर घटाई ब्याज दर

सोमनाथ मंदिर का शिखर सोने से मढ़ा जाएगा

गांधीनगर। गुजरात का दो दिवसीय दौरा कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गांधीनगर में श्री सोमनाथ ट्रस्ट की एक बैठक की अध्यक्षता की। वह विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का प्रबंधन संभालने वाले ट्रस्ट के प्रमुख हैं। मोदी ने ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। गांधीनगर के राजभवन में शाम में हुई बैठक में ट्रस्टियों ने सोमनाथ मंदिर के शिखर को स्वर्ण से मढ़ने के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। मोदी को जनवरी 2021 में ट्रस्ट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अन्य ट्रस्टियों में भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, गुजरात के विद्वान जेडी परमार, गुजरात के पूर्व अफसर पीके लहरी और उद्योगपति हर्षवर्धन नियोतिया शामिल हैं।

गोकुलपुरी की झुग्गियों में लगी आग से सात की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी गांव की झुग्गियों में देर रात करीब एक बजे भीषण आग लग गई। इसमें सात लोगों की मौत हो गई है। जबकि करीब 60 से अधिक झुग्गियां जल गई हैं। मौके पर पहुंची दमकल की 13 गा?यां ने आग पर काबू पाया। अभी कूलिंग का काम जारी है। हालांकि दिल्ली पुलिस के अनुसार 30 झुग्गियों में आग लगी है।दिल्ली फायर सर्विस ने कहा, च्योकुलपुरी इलाके में कल रात झुग्गियों में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। आग पर काबू पा लिया गया है। दमकल विभाग ने सात शव बरामद किए।उत्तर-पूर्वी दिल्ली जिले के एडिशनल डीसीपी ने बताया कि रात 1 बजे गोकुलपुरी थाना क्षेत्र में आग लग गई थी, तत्काल सभी बचाव उपकरण के साथ टीमें मौके पर पहुंचीं। हमने दमकल विभाग से भी संपर्क किया, जिसने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। हम लगभग सुबह 4 बजे तक आग पर काबू पा सके। 30 झुग्गियां जल गई और 7 लोगों की जान चली गई।

60 से अधिक झुग्गियां राख

गुरेज सेक्टर में क्रैश हुआ सेना का चीता हेलीकॉप्टर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई, जबकि को-पायलट गंभीर रुप से घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने रेस्क्यू ऑपरेशन करने की तैयारी शुरू कर दी और कुछ ही देर में रेस्क्यू टीम बर्फीले इलाके में पहुंच गई। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि पायलट को बचाया नहीं जा सका, लेकिन को-पायलट घायल अवस्था में निकाल लिया गया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।जानकारी के मुताबिक, हेलीकॉप्टर गुरेज के तुलैल इलाके में नियमित उड़ान पर था। इसी दौरान उसका एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। बाद में जब पता चला कि हेलीकॉप्टर दुर्घटाग्रस्त हो गया है, तो भारतीय सेना और वायुसेना ने तुरंत इलाके में रेस्क्यू टीम को भेजा।आपको बता दें कि चीता एक सिंगल इंजन वाला हेलीकॉप्टर है, जिसमें मूविंग मैप डिस्प्ले, ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वार्निंग सिस्टम और वेदर रडार जैसी प्रमुख विशेषताएं नहीं हैं।

एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर

भारत-वेस्टइंडीज महिला वर्ल्ड कप मंधाना-हरमनप्रीत ने जड़े शतक

सेडनपार्क। महिला वर्ल्ड कप में भारतीय टीम तीसरा मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेल रही है। भारत ने वेस्टइंडीज के सामने 318 रन का लक्ष्य रखा है। स्मृति मंधाना और उपकप्तान हरमनप्रीत कौर के बेहतरीन शतक ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। टीम इंडिया ने पहली बार वर्ल्ड कप में 300 रनों का आंकड़ा पार किया है।हरमनप्रीत कौर ने का वनडे करियर में चौथा शतक है। वहीं, वनडे वर्ल्ड कप में यह उनका तीसरा शतक है। हरमनप्रीत ने वर्ल्ड कप में पहला शतक 2013 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। वहीं, दूसरा शतक उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2017 में लगाया था।स्मृति मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 108 गेंदों पर शतक जड़ा। यह उनके वनडे करियर का पांचवां शतक है। वहीं, वनडे विश्व कप में मंधाना का यह दूसरा शतक रहा। इससे पहले 2017 वनडे विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही मंधाना ने शतक लगाया था। समाचार लिखे जाने तक 26 ओवर के बाद वेस्टइंडीज ने छह विकेट गंवाकर 140 रन बना लिए हैं।

318 रन का टारगेट वेस्टइंडीज को दिया

EVM पर फिर बोले, अखिलेश यादव

सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति से गुहार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुकाबले करारी हार का सामना करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष ने ईव्हीएम को लेकर वायरल ऑडियो को लेकर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति से संज्ञान लेकर सुरक्षा देने की मांग की है। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, ईव्हीएम बदले जाने को लेकर एक चुनाव अधिकारी की किसी से बात की जो ऑडियो रिकार्डिंग सोशल मीडिया पर चल रही है, मा. उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रपति महोदय उसका संज्ञान लें व सरकार संबंधित व्यक्ति को तुरंत संपूर्ण सुरक्षा दे। किसी एक व्यक्ति का जीवन हमारे लिए सरकार बनाने से ज़्यादा अहम है।दरअसल, सोशल मीडिया पर दो व्यक्तियों की बातचीत का ऑडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक व्यक्ति खुद को टीचर बताते हुए कहता है कि उसकी चुनाव में ड्यूटी लगी थी और उसने देखा कि ईवीएम बदल दिए गए। वह दावा करते हुए कहता है कि सपा की सरकार नहीं आएगी, बीजेपी जीतने जा रही है, क्योंकि ईवीएम बदल दिए गए हैं। वह खुद को सपा समर्थक बताते हुए कहता है कि स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचने से पहले ईवीएम बदल दिए गए।

होली के बाद दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद यूपी के कार्यकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को दिल्ली जाएंगे।सूत्रों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। इस बीच जानकारी मिली है कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होली के बाद तक टल सकता है।

इसके होली के बाद आयोजित होने की संभावना है।इससे पहले 10 मार्च हुई मतगणना में भाजपा गठबंधन ने 273 सीटें जीतकर शानदार जीत दर्ज की थी। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को इस्तीफा दे दिया था। मत परिणाम जारी होने के बाद योगी आदित्यनाथ की पीएम मोदी से यह पहली मुलाकात होगी।

पंजाब में भगवंत मान ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, कहा-हमारी सरकार ऐतिहासिक निर्णय लेगी

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद भगवंत मान शनिवार को गवर्नर बीएल पुरोहित से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। मान ने कहा कि मैं राज्यपाल से मिला और हमारे विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा और सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने मुझसे कहा कि हम जहां भी शपथ ग्रहण समारोह करना चाहते हैं, उन्हें बता दें। शपथ ग्रहण समारोह 16 मार्च को दोपहर 12.30 बजे पैतृक गांव भगत सिंह खटकड़ कलां में होगा। मान ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में पंजाब भर से लोग आएंगे और भगत सिंह को श्रद्धांजलि भी देंगे। हमारे पास एक अच्छा कैबिनेट होगा। हमारी सरकार द्वारा ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिए जाएंगे, जो पहले कभी नहीं लिए गए। बस इंतजार कीजिए।

उमा भारती ने फिर अलापा शराबबंदी का राग

कहा- शराब की दुकानों के सामने खड़े होकर लोगों से पूछेंगी वे चाहते हैं या नहीं

भोपाल, । मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती एकबार फिर शराब बंदी को लेकर मैदान में उतर आई हैं और अब उन्होंने इस पर अपना पूरा फोकस रखने की बात कही। इस बार उनका ऐलान है कि वे शराब की दुकानों के सामने खड़े होकर लोगों से पूछेंगी कि वे अपने क्षेत्र में दुकान चाहते हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि शराब की नई नीति आना चाहिए और इसके लिए इसी महीने मीडिया के सामने फिर अपनी बात रखेंगी।भाजपा की फायरब्रांड नेता और एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश में शराब बंदी को लेकर अभियान छेड़ दिया है। पिछले दिनों उन्होंने भोपाल के तरावली स्थित देवी मंदिर के पास की एक शराब की दुकान के सामने खड़े होकर पूछा था कि वे यहां शराब की दुकान चाहते हैं कि नहीं। लोगों ने मंदिर के पास शराब की दुकान का विरोध किया था। भारती ने कहा कि अब वे इसी तरह शराब की दुकानों के सामने पहुंचकर लोगों से उनके बारे में राय जानेंगी। उमा भारती ने कहा कि शराब नीति में स्पष्ट है कि अगर किसी क्षेत्र के लोग शराब की दुकान नहीं चाहते हैं तो वहां उसे अनुमति नहीं दी जा सकती।

रक्षामंत्री को पत्र के साथ यू एफ ओ एफ का संकल्प

विरासत है आयुध निर्माणियां ओ एफ डे मनायेंगे

जबलपुर यशभारत। आयुध निगमों के बनने के बाद भले ही अब तक सरकार या आयुध निदेशालय से अधिकारिक रूप से आयुध निर्माणी दिवस मनाने के आदेश जारी नहीं किये गए हैं।लेकिन हाल ही में गठित यूनाइटेड फोरम आफ आर्डनेंस फैक्ट्री एम्पलाइज ने कहा कि आयुध निर्माणियां हमारी विरासत है।निर्माणियों ने सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की रक्षा मे योगदान दिया है।हमारे कई साथियों ने बलिदान दिया है।लिहाजा भले ही सुरक्षा मंत्रालय इसको मनाने के लिए अधिकारिक निर्देश जारी न करे फोरम पूर्व की भांति इसे पूरी गरिमा और भव्यता से मनायेगा।उक्त फैसला फोरम की बैठक में लिया गया और रक्षामंत्री को आयुध निर्माणी मनाने के लिए निर्देश जारी करने की अपील की है।बैठक में ए आई डी ई एफ से अध्यक्ष एस एन पाठक महामंत्री सी श्री कुमार बीपीएमएस की ओर से उपाध्यक्ष साधूसिंह महासचिव मुकेश सिंह सिड्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस सी चौबे अजय महासचिव सिड्रा और भारतीय आयुध निर्माणी सेवा संगठन के एसोसिएशन के प्रेम प्रकाश शामिल हुए थे।जिसमें संकल्प पारित किया गया कि 220वर्ष पूर्व स्थापित आयुध निर्माणी की स्मृति में प्रतिवर्ष18मार्च को41आयुध निर्माणियों के साथ ओएफबी मुख्यालय और अन्य संस्थानों में आयुध निर्माणी दिवस का आयोजन किया जाता रहा।लेकिन अब तक ऐसा समझ में आ रहा कि इस वर्ष अधिकारिक रूप से उक्त आयोजन नहीं किया जा रहा है।परंतु हम सब कर्मचारी सरकार के इस फैसले पर शांत नहीं रह सकते हैं।इसके लिए एक ज्ञापन रक्षामंत्री को भी सौंपा जा चुका है।उनसे आग्रह किया है कि पूर्व की तरह इसे प्रतिष्ठा और गरिमा के साथ मनाया जाए।क्योंकि आजादी के बाद सेना को दिये गए अतुलनीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है।बम बारूद के निर्माण के दौरान अनेक कर्मचारियों ने अपना योगदान और बलिदान दिया है।तय किया गया है कि समस्त कर्मचारी18मार्ग को पूरी गरिमा के साथ आयुध निर्माणी दिवस मनायेंगे।होली पर्व के कारण यदि कहीं अवकाश घोषित किया गया है तो17 मार्च को उक्त आयोजन फोरम द्वारा किया जायेगा। जिसमें16 या 17 मार्च को यथानुसार पर्चा वितरण किया जायेगा प्रभातफेरी निकाल कर बैज लगायेंगे।यथासंभव मिष्ठान वितरण के साथ प्रति वर्ष की भांति देश के लिए योगदान देने की शपथ लेंगे।

जी आई एफ मे मेट्रो का स्वास्थ्य शिविर13को

जबलपुर यशभारत। जीआईएफ में कल13मार्च को प्रबंधन और वर्क्स कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में मेट्रो हास्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। कार्य समिति सचिव राकेश दुबे के अनुसार जीआईएफ के आफीसर मेस में आयोजित नि:शुल्क ओपीडी परामर्श एवं जांच शिविर में सुबह11से शाम 4 बजे तक मेट्रो हास्पिटल के विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील गुलाटी डा.डी यू पाठक डा.राजेश पटेल डा.राजीव सावंत डा.के के वर्मा डा.अमजद अली डा.शीतल राजपूत एवं डा.कावेरी शा कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा परामर्श के साथ विभिन्न प्रकार की जांच शिविर में करेंगे।वर्क्स कमेटी सचिव राकेश दुबे मनोज साहू रविरंजन राजेंद्र कुर्मी गुलाब रसूल भूपेन्द्र विश्वकर्मा दमन मुरमू नलनी कांत आदि ने सभी कर्मचारियों और उनके परिवार को समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

जल सत्याग्रह करेंगे विधायक संजय यादव

बरगी चरगवां क्षेत्र व्याप्त जलसंकट पर, विस में उठाया मुद्दा

जबलपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा के सत्र में बरगी विधायक संजय यादव द्वारा बरगी चरगवां क्षेत्र व्याप्त जलसकट को लेकर जल सत्याग्रह की चेतावनी दी है। बरगी विधायक संजय यादव द्वारा बरगी चरगवां क्षेत्र की बहुत पुरानी सिचाई के पानी की मांग बड़ादेव उद्वहन सिचाई परियोजना के संबंध में ध्यानाकर्षण प्रश्न के जवाब में विभागीय मंत्री द्वारा संतोषजनक उत्तर न दिए जाने से प्रश्नकर्ता विधायक संजय यादव असंतुष्ट दिखाई दिए , मंत्री जी ने प्रश्न के जवाब में कहा कि इस क्षेत्र में पानी की कोई विशेष समस्या नहीं हैं यदि लोग चाहे तो केनाल में पंप व मोटर आदि लगाकर सिंचाई कर सकते है जिस पर विधायक संजय यादव ,लखन घनघोरिया, व विनय सक्सेना ने मंत्री कुशवाहा से कहा कि यहाँ बैठे -बैठे कह देने से कुछ नहीं होता आप वहाँ की भौगोलिक स्थिति की जानकारी भी तो लीजिए कि इतनी दूरी तक पंप से सिचाई हो सकती है कि नहीं , इस पूरे घटना पर विधायक ने बताया कि इस पूरी योजना की तैयारी कांग्रेस शासनकाल में हो चुकी थी सरकार बदलने के बाद में भी यह योजना मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की मानिरेटिंग में विशेष रूप से थी जिसे इस बजट में शामिल करने का आश्वासन स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया था किंतु वर्तमान रवैये से ये प्रतीत हो रहा है कि यह सरकार गरीबो व आदिवासियों की विरोधी सरकार है । विधायक संजय यादव ने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन के लिए इस बरगी व चरगवां छेत्र के सभी आदिवासी किसान व मजदूर 3 बार धरना ,प्रदर्शन, व भूख हड़ताल कर चुके है अभी विगत 21 फरवरी से 8 मार्च तक क्रमिक अनशन भी लोगों द्वारा किया गया किंतु सरकार द्वारा इस मांग को न माने जाने से सभी छेत्रीय जनों न में भारी आक्रोश व्याप्त है उन्होंने बताया कि शीघ्र में सभी के साथ बैठकर इस दिशा में रणनीति बनाऊंगा व जरूरत पड़ी तो अपने क्षेत्र व आदिवासी भाइयो की इस बड़ी समस्या के लिए मां नर्मदा के जल में बैठकर जल सत्याग्रह भी करूंगा ।

शहर में रहेगा पावर मैनेजमेंट कम्पनी का रेवेन्यू डिपाटज़मेंट

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी का रेवेन्यू डिपार्टमेंट जबलपुर में ही होगा। इसे भोपाल शिफ्ट नहीं किया जा रहा। यह जानकारी कांग्रेस विधायक तरुण भनोत को विधानसभा में पूछे गए अतारांकित सवाल में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दी। उन्होंने कहा कि जबलपुर से इस से कार्यालय को राजधानी ले जाने षड्यंत्र किया जा रहा था। इसका कांग्रेस ने विरोध किया। भनोत ने कहा कि आंदोलन करने पर सरकार को निर्णय वापस लेना पड़ा है। पूर्व वित्तमंत्री भनोत ने प्रश्न के जरिए आरोप लगाया प्रदेश सरकार लगातार, जबलपुर स्थित मुख्यालयों को शिफ्ट करने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेतृत्वहीनत कारण जबलपुर के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

विश्व हिन्दु महासंघ (भारत) जबलपुर ने निकाली विशाल विजय यात्रा संपन्न

उत्तरप्रदेश में योगी आदित्यनाथ की जीत

जबलपुर । विश्व हिन्दु महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश में भाजपा की भारी बहुमत से जीत के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दु महासंघ जबलपुर द्वारा एक विशाल वाहन रैली एवं सौहार्दपूर्ण विजय यात्रा सम्पन्न हुई, विजय यात्रा शास्त्री ब्रिज से प्रारम्भ होकर बस स्टेण्ड, तीन पत्ती, सुपर मार्केट, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, जवाहरगंज, अंधेरदेव, तुलाराम चौक, करमचंद चौक से मालवीय चौक में आमसभा के रूप में मिष्ठान्न वितरण के साथ समापन हुआ। रैली में राजेश अग्रवाल, आरती पटेल, मयंक महाराज, महत अनूप दुबे, दीपक साहू, प्रशांत कर्मवीर आभा साहू, आनंद कुमार, धीरज साहू, शिल्पी कुशवाहा, रमेश साहू, दीपक नागौरिया, सुधीर साहू विट्ठल वैद्य, दिलीप साहू, राजकुमार चौधरी, मीना कुशवाहा, गंगाराम पटेल, गोपी चौबे, संदीप साहू, प्रशांत कोष्टा, रानी साहू, रीता नागौरिया, कीर्ति पटेल, पूजा पटेल, स्वप्निल नेमा, सरिता खण्डेलवाल, विजय पटेल, पूर्णिमा पटेल, खुशबू पटेल, दर्पणा साहू नयना साहू, शिवकुमार तिवारी, स्वाति कर्मवीर, मनोज साहू, रमोश्वर पटेल, दौलत पटेल सहित अनेकों पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मिलित रहे। रैली का स्वागत तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक, गंजीपुरा, अंधेरदेव आदि में विश्व हिन्दु महासंघ के सदस्यों द्वारा किया गया ।

आंगनबाड़ी केंद्र 8 लेकिन भवन केवल एक

बरगी। ग्रामीण छेत्र में मजदूर खेतिहारी परिवारों के बच्चो को खेल खेल में शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से महिला एवं बॉल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है ,लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय समय पर उनकी सतत देखरेख न करने से ये संचालित होने वाले केंद्र केवल शासन की योजना के अंतर्गत औपचारिक रह गए है , जिसमे सबसे बड़ी समस्या बच्चो का केंद्र तक न पहुंच पाना , शासन द्वारा अब तक इन केंद्रों को इतना आकर्षक य मनोरंजक न बना पाने के कारण बच्चे केंद्रों तक पहुचते ही नही है केवल बच्चों को खिलापिलाकर ही छोड़ दिया जाता है ,जबकि इन केंद्रों के संचालन का मुख्य लक्ष्य छोटे बच्चो का सर्वांगीण विकास करना है । विभाग द्वारा पूरे मध्यप्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन तो किया जा रहा है पर अधिकतर केंद्रों के पास शाश्कीय भवन है ही नही उन्हें किराए से मकान लेकर केंद्रों का संचालन करना पड़ रहा है यदि हम बात बरगी की करे तो बरगी में 8 आंगनवाड़ी केंद्र है जिनमे से केवल एक केंद्र के पास ही शासकीय भवन है बाकी के 7 केंद्रों का संचालन किराए के मकानों से होता है , उस पर भी विभाग द्वारा लंबे समय तक किराए का भुगतान न करने के कारण आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन करने वाली कार्यकर्ताओ को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है । योजनाओं को केवल कागज पर बनाकर ओर उन्हें कागजो पर सरकारी आंकड़ों की जादूगरी को न दिखाते हुए जमीनी रूप से कार्य करने की आवश्यकता है अन्यथा ग्रामीण भारत केवल कागजो में विकसित हो पायेगा जमीन पर नहीं।

शिक्षा विभाग में जंगल राज

भ्रष्टाचारी अधिकारी पर विभाग मेहरबान अधिकारी की मजा, कर्मचारियों को सजा

जबलपुर। म0प्र0 तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने आरोप लगाया कि कि अक्टूबर माह में लोकायुक्त जबलपुर द्वारा शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा श्री राममोहन तिवारी तथा दो अन्य लिपिकों को रिश्वत लेते ट्रेप किया गया तथा भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा-7 एवं 13 (1) डी. 13 (2) के तहत् प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया जाकर मौके पर ही जमानत पर छोड़ा गया है। शिक्षा विभाग में हुए इस भ्रष्टाचार उजागर होने वाले कांड से सारा विभाग भौचक्का रह गया। इस दोहरे ट्रेप कांड के बाद विभाग का दोहरा चरित्र सामने आया जिसमें ट्रेप हुए मुख्य अभियुक्त संयुक्त संचालक राममोहन तिवारी पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई वहीं सह अभियुक्त लिपिकों को जबरिया अन्यंत्र स्थानांतरित कर दिया गया है। संयुक्त संचालक आज भी अपने पद पर बने हुए हैं तथा ट्रेप कराने वाली मृत्य सहित अन्य कर्मचारियों को पर दबाव बनाकर अपने पक्ष में कार्य करने तथा लोकायुक्त की कार्यवाही को गलत साबित करने का प्रयास किया जा रहा है।संघ के योगेन्द्र दुबे, मुकेश सिंह, चंदु जाउलकर, पी.एल. गौतम, रवि, संदीप मस्के, आलोक अग्निहोत्री, दुर्गेश पाण्डे, बृजेश मिश्रा, पारितोष ठाकुर, सतीश देशमुख, सी. एन. शुक्ला, शैलेन्द्र दुबे, गोविन्द विल्थरे, एस. के. बांदिल, रजनीश तिवारी, डी.डी. गुप्ता, एन.एल. चौधरी, उमेश पारखी, बिट्टू आहलूवालिया, जगत, आदि आयुक्त लोक शिक्षण मध्य प्रदेश भोपाल से मांग की है कि लिपिकों की नवीन पदस्थपना निरस्त करते हुए मुख्य अभियुक्त प्रभारी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही की जाये। अन्य कर्मचारी संघ शिक्षा विभाग में धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन करेगा जिसका संपूर्ण उत्तर दायित्व शिक्षा विभाग का होगा।

संघ के विरोध के बाद स्थगित की गई भर्ती प्रक्रिया

जबलपुर। आज म.प्र. लघु वेतन कर्मचारी संघ विभागीय शाखा अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर में आयोजित हो रही भर्ती प्रक्रिया पर टीम ने आगामी कार्यसमिति की बैठक होने तक भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी है संघ आरोप लगाया था गलत तरीके से हो रहे पदोन्नति भर्ती प्रक्रिया जिससे स्थानीय कर्मचारियों को किसी भी प्रकार का लाभ मिलना असंभव अतीत हो रहा था पूर्व की भर्तियों में इस तरह के नियम लागू नहीं किए गए थे किंतु चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति नाम पर हो रही भर्ती में प्रदेश के सभी शासकीय मेडिकल कॉलेज के से आवेदन मंगाना स्थानीय कर्मचारियों के साथ कुटाघाट प्रतीत हो रहा था संघ ने चरणबद्ध आंदोलन प्रारंभ कर दिया था किंतु इन मेडिकल कॉलेज ने लिखित आश्वासन दिया है जिसके फलस्वरूप संघ द्वारा आगामी कार्यक्रमों को स्थगित किया गया है तथा कार्यसमिति की बैठक उपरांत निर्णय की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए आगामी निर्णय लिया जाएगा कर्मचारियों को हितों के साथ अगर प्रशासन द्वारा छलावा किया गया तो पुन: आंदोलन प्रारंभ कर दिया चेतावनी दी है संघ के कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष विपिन पीपरे विभागीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र राय, जिला महामंत्री सुरेश वाल्मीक, समर सिंह ठाकुर, देवेन्द्र अहिरवार, विकास डेहरिया, सुनील पाठक, संजय परिहार, सहित भारी संख्या में कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

डीन ने दिया आश्वासन कार्यसमिति की बैठक के बाद होगा निर्णय

स्वच्छता जन-जागरण रैली निकाली

जबलपुर। स्वच्छ जबलपुर के सपने को सकार करने एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में जबलपुर शहर को प्रथम नम्बर पर लाने के उद्देश्य से स्वच्छता जन-जागरण रैली का आयोजन गणेश नगर , कछपुरा क्षेत्र में ज्ञान विद्या पब्लिक स्कूल के छात्रों के द्वारा किया गया ,जिसमें विद्यार्थी. हाथों में स्वच्छता सम्बंधी नारो की तख्तियॉ लिए थे,एवं नारे लगा रहे थे स्वच्छता अपनाना है,जबलपुर को नं1 बनाना है एव सूखा कचरा नीली बाल्टी ट्र गीला कचरा हरी बाल्टी में डाले,कचरा बाली गाड़ी में ही कचरा डाले।जागरूकता जनजागरण आभियान में शाला की शिक्षिका सत्यरूपा वैनर्जी,स्वाती पटैल,अर्पणा पांडे,पूनम जेसवाल,पूजा वारी उपस्थिती रही।

सतीश अग्रवाल फूड सेफ्टी मित्र

जबलपुर। फूड सेफ्टी स्टेण्डर्ड अथॉर्टी ऑफ इण्डिया के द्वारा प्रदत्त सर्टिफिकेट (फूड सेफ्टी मित्र) डिजिटल मित्र जबलपुर संभाग में सतीश अग्रवाल को प्रथम प्राप्त हुआ। अत: इसके अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य कार्यान्वित होंगे जिसका पता 493,स्टेट बैंक कालोनी, माता शेरोवाली मंदिर के सामने, जबलपुर में स्थित है। (1) नये फूड लाइसेंस / पंजीकरण किया जावेगा। (2) पुराने फूड लाईसेंस/पंजीकरण का रिन्यूवल आदि शामिल है।(3) नये व छोटे फूड व्यवसायिकों को फूड लाईसेंस/पंजीकरण की जानकारी प्राप्त करवाना एवं लाईसेंस और पंजीकरण करवाने में मदद करना ।(4) सभी प्रकार के फूड लाईसेंस एवं पंजीकरण की जानकारी प्राप्त करवाना ।

आर्मी कैंप बरगी नगर में अनुभूति कार्यक्रम

बरगी। आर्मी कैंप बरगी नगर मैं वन परिक्षेत्र के अधिकारी अभय कुमार पांडे के निर्देशानुसार जोधपुर सर्किल से प्रदीप श्रीवास्तव डिप्टी रेंजर उनके स्टाप कर्मचारियों के सहयोग से अनुभूति कार्यक्रम रखा गया जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला हर्रई बरगी के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया बच्चों को वनों एवं वन्य प्राणीयो प्रति जागरूक किया गया जिसमें वन समिति अध्यक्ष शीतल गिरी गोस्वामी , विवेक यादव विक्की , अंकित पटेल,आलोक चोकसे, शिवेंद्र यादव जी, एन के पटेल, राकेश करपेति, शंकर लाल अवस्थी, राजीव तिवारी, नीरज भारेल, रामनाथ बैगा, अखिलेश विश्वकर्मा लक्ष्मण यादव पूर्व वन परिक्षेत्र अधिकारी वर्गी श्री आरके शिवानी मास्टर ट्रेनर के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया आर्मी कैंप बरगी नगर गंगदा वीट में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हर्रई के छात्र-छात्राओं ने प्रात: 9-00 बजे से लेकर शाम 5-00 बजे तक प्रशिक्षण प्राप्त किया और उसके बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

नगर निगम अधिकारी / कर्मचारियों की समस्याओं पर आयुक्तको सौंपा 15 सूत्रीय मांग पत्र

जबलपुर। नगर निगम अधिकारी / कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा आयुक्त को संगठन द्वारा ज्ञापन सौंपा गया जिसमें कर्मचारियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा गई जैसे स्थाई कर्मियों के नियमितीकरण हेतु पदों का सृजन करना, शेष बचे दैनिक वेतन कर्मचारियोंतीकरण की कार्यवाही करना अधिकारी / कर्मचारियों की पदोन्नति हेतु डी.पी.सी की बैठक शीघ-अति आयोजित करना, रोस्टर का अपडेशन करना, संविदा सफाई संरक्षकों को नियमित सफाई संरक्षकों के पैन के 90 प्रतिशत वेतनमान की स्वीकृति शासन से शीघ्र दिलवाये जाने हेतु निगम की ओर से करना शासन द्वारा संविदा पर भर्ती किये जाने हेतु जारी राजपत्र के संदर्भ विज्ञापन जारी करना, फील्ड के रेयों वेतन के साथ जोखिम भत्ते का भुगतान करना जिन कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ नहीं मिला है उन्हें समयमान वेतनमान का लाभ प्रदान किये जाने संबंधी कार्यवाही करना, जैसी अन्य कई महत्वपूर्ण नियमानुसार मांगो पर आयुक्त महोदय द्वारा त्वरित कार्यवाही हेतु आश्वासन दिया गया है इस मौके पर नगर पालिक निगम जबलपुर अधिकारी / कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा, महामंत्री गुलशन जबलपुरी नरेंद्र तिवारी, रामराव मगरदे, नरसिम्लू रामप्रवेश राजेंद्र पटेल, संतोष गौतम व अन्य संघ के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।साथ ही संगठन द्वारा पूर्व में दिये गये ज्ञापन के बिन्दुओं पर जैसे कर्मचारियों की विगत कई वर्षों से लंबित अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश जारी किये गये विनयमित कर्मचारियों के वेतन में 200 प्रति की दर से वाहन भत्ते के भुगतान की कार्यवाही प्रारंभ की गई सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का देव राशियों का सेवानिवृति दिनांक को ही भुगतान करना व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के विदाई सम्मान का आयोजन करने के संबंध में आयुक्त महोदय द्वारा की गई कार्यवाही पर संगठन के पदाधिकारियों द्वारा उन रूप से धन्यवाद भी प्रेषित किया गया है एवं शेष बची मांगों पर शीघ्र ही कार्यवाही पूर्ण करने हेतु संगको आयुक्त महोदय द्वारा आश्वासन भी दिया गया है।

बिजली सब स्टेशन दुर्घटना : मृतक की पत्नी को मिला पीएफ पेंशन का सहारा

जबलपुर। रॉझी, गॉधी चौक निवासी कैथवास परिवार उस वक्त भावविभोर हो उठा, जब पीएफअधिकारियों ने उनके घर पहूँचकर परिवार के मृतक पुत्र स्वर्गीय प्रकाश की पत्नी को उसके पीएफ बीमा एवं पेंशन के अधिकार पत्र सौंपे। यह राशि श्रीमती कल्पना कैथवास के भविष्य के लिये आधारनिधि साबित होगी। हाल के दिनों में यह दुसरा अवसर है, जब किसी दुर्घटना को संज्ञान में लेकर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-।, राकेश सहरावत ने पहल कर 72 घंटों में मृत कामगार के परिवार को उनका हक दिलवाया है। बिजली सब स्टेशन, कॉचघर में पोल में सिल्वर पेंट करते समय करंट लगने से श्रमिक प्रकाश की मृत्यु की सुचना प्राप्त होने पर भविष्य निधि अधिकारियों ने उनके परिवार से सम्पर्क किया और आवष्यक दावा प्रपत्र प्राप्त किये और प्रकरण का निपटान किया। भविष्य निधि, बीमा राषि और पेंषन के अधिकार पत्र भविष्य निधि के रूप सिंह मरावी, प्रवर्तन अधिकारी एवं धीरेन्द्र नायडू, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी द्वारा श्रीमती कल्पना कैथवास को उनके घर जाकर सौंपे गये। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, श्री राकेष सरहावत ने इस घटना को स्वंय गंभीरता से लेते हुये तत्काल कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। इस संबंध में उन्होने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय ''आपका ऑफि स आपके द्वार'' की अवधारणा पर कार्य करता है और ऐसे समस्त मामलों में पहल करके भविष्य निधि सदस्यों एवं उनके आश्रितों को देय लाभों को प्रदान करता है। इसके लिए कई बार बैंक अधिकारियों एवं आधार कार्ड कार्यालयों से भी समन्वय किया जाता है ताकि भविष्य निधि सदस्यों/दावाकर्ताओं को अपने लाभों को प्राप्त करने हेतु इधर-उधर के चक्कर न लगाने पडे़। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे कार्यालय का हमेशा से प्रयास रहा है कि कामगारों की समस्या का त्वरित निराकरण हो।

हिन्दी राष्ट्र की अस्मिता और उसके भावी लक्ष्यों की अभिव्यक्ति का माध्यम- प्रो. कपिलदेव मिश्रा

जबलपुर । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से परिषद के अधीनस्थ पश्चिम एवं मध्य क्षेत्र में स्थित संस्थानों में कार्यरत हिन्दी अधिकारियों के लिए दो दिवसीय आजादी का अमृत महोत्सव एवं राजभाषा विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशालय के निदेशक डॉ. जे.एस. मिश्र, मुख्य अतिथि प्रो. कपिलदेव मिश्रा, कुलपति, रानी दुर्गावती वि. वि. श्रीमती सीमा चोपड़ा, निदेशक राजभाषा, भा.कृ.अनु.परि. डॉ. पी.के. सिंह एवं श्री बसंत मिश्रा ने दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती को माल्यार्पण कर किया। मुख्य अतिथि प्रो. कपिलदेव मिश्रा ने कहा कि संसार का कोई भी देश अपनी भाषा की अवहेलना करके प्रगति नहीं कर सकता। भाषा में अद्भुत शक्ति होती है यह हमें एक दूसरे से जोड़ती है भाषा केवल भाषा नही होती वह समाज संस्कृति इतिहास राष्ट्र की अस्मिता और उसके भावी लक्ष्यों की अभिव्यक्ति का माध्यम भी होती है। हिन्दी सदियों से हमारी सम्पर्क भाषा रही है पूरा विश्व हमारी भाषा की ओर आकर्षित है। निदेशालय के निदेशक डॉ. जे. एस. मिश्र ने कहा कि हिंदी सभी भाषाओं की सहोदरा है इसमें सभी भाषाओं को समाहित करने की अपार शक्ति निहित है हिंदी भाषा में ऊंच-नीच का भाव नहीं है जितना संभव हो सके हमें हिंदी भाषा का प्रयोग करना चाहिए एवं हिंदी बोलते समय गर्व महसूस करना चाहिए। आज हिंदी विश्व के हर कोने में बोली जाने लगी है एवं देश-विदेश के लोग भी हिंदी सीखने में प्रयासरत है आज भारत में अनेको संस्थान मात्र हिंदी सीखने के लिए खोले गये है जहा दूर-दूर से लोग हिंदी सीखने बड़ी संख्या में आते हैं। इस अवसर पर श्रीमती सीमा चोपड़ा निदेशक, राजभाषा, भा.कृ.अनुपरि द्वारा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय और विभिन्न संस्थानों में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर व्याख्यान दिया।डॉ. पी. के. सिंह सह-अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने सभी का आभार व्यक्त किया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के प्रभारी बसंत मिश्रा ने संचालन किया ।

नागरिक उपभोक्ता मंच की याचिका स्वीकार्य कर चार सप्ताह में मांगा जबाब

एनजीटी ने किए लिलवानी तालाब अतिक्रमण मामले में नोटिस जारी

गाडरवारा यभाप्र। *नरसिंहपुर के गाडरवारा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम लिलवानी में शासकीय तालाब की भूमि और अतिक्रमण मामले में याचिकाकर्ता नागरिक उपभोक्ता मंच के प्रांतीय संयोजक मनीष शर्मा, पवन कौरव व सज्जाद अली ने तालाब में हुए अतिक्रमण हो हटाने को लेकर एक जनहित याचिका एनजीटी में दायर की थी जिस पर कल शुक्रवार को सुनवाई हुई याचिका में मांग की गई है थी कि तालाब की भूमि पर सरकारी बिल्डिंगों का निर्माण कर दिया गया है कुछ किसान भी तालाब की भूमि पर अतिक्रमण किये हुए हैं जिसको लेकर नागरिक उपभोक्ता मंच ने अधिकारियों से शिकायत भी की थी लेकिन कार्यवाही नही हुई जिसके बाद याचिका दायर की गई थी याचिका को स्वीकार्य करते हुए जस्टिस शिव कुमार सिंह एवं एक्सपर्ट मेम्बर अरुण कुमार वर्मा की सेंट्रल बेंच ने सुनवाई करते हुए नरसिंहपुर जिला कलेक्टर, मुख्य अधिकारी प्रदूषण विभाग, प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल व अन्य अधिकारियों को इस मामले में नोटिस जारी किए है और उनको चार सप्ताह में जबाब देने को कहा गया है । याचिकाकर्ताओं की तरफसे एडवोकेट प्रभात यादव पैरवी करेंगे ।*

ये था पूरा मामला

लिलवानी ग्राम पंचायत में करीब 9 एकड़ जमीन तालाब के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है वही इसी जगह पर तालाब भी बना हुआ है जिसे सकरा कर दिया गया था और इसी तालाब की जगह पर जिला पंचायत एवं ग्राम पंचायत लिलवानी द्वारा करोड़ों की लागत से स्कूल, पंचायत भवन, हॉट बाजार, मार्केट, सड़क निर्माण, अन्य निर्माण कर दिए गए है जिनकी लागत करीब 5 करोड़ है और तालाब को सकरा कर छोटा आकर दे दिया गया है और जहाँ पर ये निर्माण कार्य कराए गए है वहा पर तालाब के पानी भराव की जगह को मिट्टी से भर दिया गया है जिसके बाद बिना पर्यावरण का ध्यान रखे करोड़ो के निर्माण कार्य शासन द्वारा ही तालाब की जमीन पर करा दिए गए है। वही कुछ आसपास की कैचमेंट एरिया की भूमि पर कुछ आसपास के किसानों का भी कब्जा है जिसमे किसानों की तालाब की भूमि पर भी फसलें लहलहा रही है।

प्रदूषण विभाग से नही ली थी अनुमति

जब मंच के सदस्यों ने इस सम्बंध में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर में आरटीआई के माध्यम से निर्माण एजेंसी द्वारा निर्माण सम्बधी ली गई अनुमतियों के बारे मे जानना चाहा आवेदन में ग्राम लिलवानी राजस्व अभिलेखो में तालाब में दर्ज खसरा क्रमांक 111/1, 111/2, 111/3, 112, 113, 114 कुल रकबा भूमि 3.658 में हुए निर्माण सम्बधी पर्यावरणीय अनुमति प्रदूषण विभाग द्वारा देने के बारे में पूछा गया था जिस पर प्रदूषण विभाग के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदूषण विभाग द्वारा उक्त खसरों पर किसी भी प्रकार की कोई भी निर्माण सम्बधी अनुमति नही दी गई है ।जिसके बाद यह स्पष्ट हो गया था की बिना पर्यावरणीय अनुमति लिए तालाब की जमीन पर करोड़ों का निर्माण कर दिया गया जो नियमानुसार गलत है ।नियम कायदों को दरकिनार कर तालाब पर करोड़ो की बिल्डिंगों ओर सड़को को बना दिया गया ।

बिजली बिल बकायादारों पर कार्रवाई

कनेक्शन काटने के साथ पाइप स्टार्टर डोरी जप्त

करेली यभाप्र। अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता नरसिंहपुर के निर्देशानुसार विद्युत वितरण केंद्र करेली ग्रामीण के अंतर्गत बड़े बकायेदारों के विरुद्ध शुक्रवार को सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता द्वारा कार्यवाही की गई। ग्राम खुरशुरू, छबारा, रायपानी, ऊमरपानी एवं खेरुआ में विद्युत देयक बकाया वसूली की कार्यवाही की गई जिसके अंतर्गत लगभग तीन लाख बीस हजार रुपए के बकायेदारों के कनेक्शन विच्छेद कर पाइप, स्टार्टर एवं डोरी जप्त की गई। कनिष्ठ अभियंता करेली ग्रामीण रवि कुमार सोनी द्वारा सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि कार्यवाही से बचने हेतु बकाया विद्युत देयकों का भुगतान समय पर करें।

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट चयन परीक्षा 20 मार्च को

तेंदूखेड़ा यभाप्र। राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट चयन परीक्षा रविवार 20 मार्च को प्रात: 10.45 बजे से 2.15 बजे तक जिले के 6 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी।

परीक्षा के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण 16 मार्च को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर से संबंधित परीक्षा केन्द्राध्यक्षों को किया जायेगा। यह सामग्री नजदीकी पुलिस थाना चौकी में सुरक्षित रखवाई जायेगी। यह जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी ने दी है।

राधा कृष्ण मंदिर में पिछले वर्ग मोर्चा की बैठक आयोजित

करेली यभाप्र। विगत दिवस 11 मार्च 2022 को भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक राधा कृष्ण मंदिर सिहोरा बोहनी में आयोजित की गई। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष राव संदीप सिंह व जिला मंत्री अनिमेष यादव के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई जिसमें पिछड़ा वर्ग मोर्चा की कार्यों के लिए समीक्षा की गई। भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला पदाधिकारी और नगर व ग्रामीण मंडल गठन के पदाधिकारी ने एक दूसरे को माला पहना कर सम्मानित किया। पिछड़ा वर्ग जिला मंत्री अनिमेष यादव ने बैठक में कहा है कि पिछला वर्ग के सदस्यों की किसी भी बात पर समस्या उत्पन्न होती है तो हम मोर्चा के बड़े पदाधिकारियों पर बात पहुंचाएंगे मोर्चा में पिछला वर्ग की ज्यादा से ज्यादा सदस्यता की जाने चाहिए और आने वाले चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लोगों को बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। पिछड़ा वर्ग की बैठक में मंडल अध्यक्ष प्रताप मोनू पटेल, मंडल अध्यक्ष रमाकांत कौरव, महामंत्री मंडल भाजपा धनंजय पटेल खुलरी किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष महामंत्री अनुराग यादव गजेंद्र प्रजापति सहित अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय टीएलएम प्रदर्शनी सह मेला का आयोजन संपन्न

नरसिंहपुर यभाप्र। 11 मार्च 2022 को नरसिंहपुर विकासखण्ड का विकासखण्ड स्तरीय अंतर्गत टीएलएम प्रदर्शनी सह मेला का गरिमामय आयोजन जिला परियोजना समन्वयक एसके कोष्ठी एवं डाइट प्राचार्य एसएल धुर्वे के मार्गदर्शन में डाइट सभागार नरसिंहपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डाइट व्याख्याता श्रीमती नव्यश्री गिरदोनिया, डीके सैन, श्रीमती श्रृद्धा शुक्ला एवं शैलेष वर्मा की उपस्थिति में सरस्वती पूजन के साथ हुआ। तदोपरांत कार्यक्रम प्रतिवेदन वाचन बीएसी यजुवेन्द्र सिलावट ने किया। कार्यक्रम में विकासखण्ड के दस जनशिक्षाकेन्द्रों से भाषा, गणित, एवं विज्ञान के चयनित 90 शिक्षकों द्वारा अपने टीएलएम का प्रस्तुतिकरण किया गया। टीएलएम का निर्णायक मंडल द्वारा अवलोकन उपरान्त प्रत्येक श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रतिभागियों का चयन किया गया। भाषा विषय में चयनित अभ्यर्थियों में से प्रथम मीना सोनी, द्वितीय अंजू ठाकुर एवं तृतीय संजय सोनी रहे । गणित विषय में प्रथम शिवशंकर पटैल, द्वितीय निर्मला मेहरा एवं तृतीय संध्या साहू रहीं। विज्ञान पर्यावरण विषय में प्रथम देवेन्द्र सिंह लोधी द्वितीय कमलेष साहू एवं तृतीय दीपक श्रीवास्तव रहे। चयनित प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। उपरोक्त चयनित प्रतिभागी 14 मार्च का अयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखण्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बीएसी रविशंकर ठाकुर, ब्रजेश नेमा, यजुवेन्द्र सिलावट, नीरज बाजपेयी, जनशिक्षक हरप्रसाद कोरी, राजकुमार काछी, ओपी दोहिया, राजेश बस्तवार, प्रदान किया। आभार प्रदर्शन बीएसी ब्रजेश नेमा एवं मंच संचालन शिक्षक संजय चौबे के द्वारा किया गया।

450 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद

नरसिंहपुर यभाप्र। कलेक्टर रोहित सिंह के निर्देशों के परिपालन में जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन व विक्रय के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गुरूवार को वृत्त गोटेगांव के ग्राम नगवारा में आबकारी विभाग द्वारा दबिश देकर 450 किलोग्राम महुआ लाहन शराब बनाने का कच्चा माल व 3 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। जब्त की गई सामग्री एवं मदिरा का अनुमानित मूल्य 22 हजार 800 है। महुआ लाहन का सेंपल लेकर मौके पर विनष्टीकरण की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान अवैध मदिरा से संबंधित 6 प्रकरण दर्ज किये गये। ये प्रकरण मप्र आबकारी अधिनियम 1915 के प्रावधानों के तहत दर्ज किये गये। उक्त कार्यवाही के दौरान आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर जमानत मुचलके पर रिहा किया गया।

शिविरों से बढ़ती है नेतृत्व क्षमता – परमार

तेंदूखेड़ा यभाप्र। विगत दिवस समीपी ग्राम भौंरा में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संत मोनी महिला महाविद्यालय तेंदूखेड़ा का सात दिवसीय शिविर समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे करेली महाविद्यालय के प्राचार्य एवं जिला समन्वयक डॉ यू एस परमार ने स्पष्ट किया कि यह जनजागरुकता यज्ञ है, शिविरों के माध्यम से नेतृत्व क्षमता बढ़ती है वहीं व्यक्तित्व विकास के साथ हमारी दैनिक दिनचर्या में भी बदलाव आता है।आत्मबल बढ़ने, के साथ गांव में नवाचार सीखने मिलता है। स्थानीय स्तर पर प्रभाव बढ़ता और पड़ता है। जो व्यक्ति समय पर अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं करते हैं वह अपने परिवार और समाज राष्ट्र के साथ धोखा देने के बराबर मानें जातें हैं। सरस्वती पूजन अर्चन स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्जवलित कर समापन अवसर पर एन एस एस अधिकारी श्रीमती अरुणा जैन ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सात दिनों में ग्राम में की गई गतिविधियों की जानकारी दी । तथा ग्राम के लोगों के द्वारा मिले सहयोग की चर्चा की। शिविर नायक प्रियंका विश्वकर्मा सहयोगी पूजा सेन हेमलता पटेल ने स्वागत की औपचारिकता पूर्ण की ।समापन अवसर पर पहुंचें जिला दल नायक अल्ताफ खान शिक्षक सतीश साहू अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्राचार्य श्रीमती तपतीरानी दत्ता तथा शासकीय महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती अपर्णा चौबे ने शिविरों की महत्वा , आत्मनिर्भरता , समाज में जनजागृति लाने का प्रयास सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई ।संतमोनी महिला महाविद्यालय के प्रवंधक डा.प्रकाश जैन, प्राचार्य श्रीमती किरण प्रभा जैन ने भी महाविद्यालय के माध्यम से चलाई जा रही गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की ।इस मौके पर शिविर में शामिल रहीं एन एस एस की छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया तथा समापन में पहुंचे अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

छात्र छात्राओं ने स्वच्छता सर्वेक्षण में सहभागिता की साथ फीडबैक फार्म भी भराये

जबलपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत श्रीजानकीरमण महाविद्यालय में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय कुलपति, प्रो. कपिल देव मिश्र की उपस्थिति में जबलपुर को नं0 01 बनाने हेतु स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण में सहभागिता की साथ ही फीडबैक फार्म भी भराये गए। जबलपुर को नंबर वन स्मार्ट सिटी बनाने के लिए महाविद्यालय के अध्ययनरत छात्राओ के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया साथ ही जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी द्वारा छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। जन जागरूकता हेतु प्रत्येक छात्रा से अपने अपने क्षेत्र का स्वच्छता फीडबैक गूगल फॉर्म द्वारा सर्वेक्षण की अपील की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से डॉ. शक्ति सिंह मण्डलोई, डॉ. आनंद सिंह राणा, डॉ. गंगाधर त्रिपाठी, डॉ कौशल दुबे, डॉ. अंजली शुक्ला, तरूण मिश्रा, अजय मिश्रा, चंद्र कुमार चौबे, संजय पाण्डेय, मनोज चौरसिया, मुकेश श्रीवास्तव, हेमंत सोंधिया, देवेंद्र कुशवाहा, श्रीमती राखी बाजपेई सुश्री मीनाक्षी लोधी, सुश्री श्रुति शुक्ला, सुश्री दिव्या विश्वकर्मा, गोपाल रैकवार, भूपेंद्र सिंह, आनंद कुमार आदि उपस्थित रहे।

नाम सुधार सूचना

मैं पंकज शाह पिता राजेन्द्र चमनलाल शाह यह घोषणा करता हूं कि मेरा पूर्व में बना पासपोर्ट क्र J 2427574/11 में जिसमें मेरा नाम पंकज कुमार शाह लिखा है जिसे आज दिनांक से अपने निवासिक दस्तावेज के अनुसार रख लिया है।अतः आज दिनांक से मुझे मेरे पासपोर्ट में लिखा पढ़ा जावे व जाना पहचाना जावे।
पुराना नामः पंकज कुमार शाह पिता राजेन्द्र चमनलाल शाह
नया नामः पंकज शाह पिता राजेन्द्र चमनलाल शाह
1832 आदि अपाटमेंट राइट टाउन जबलपुर

नाम सुधार सूचना

मैं रंजीतकौर सिंह हंशपाल पति अमरपाल हंशपाल यह घोषणा करती हूं कि मेरे पूर्व पासपोर्ट क्र J3028672/11 में मेरे पति का नाम अमरपाल सिंह लिखा है जिसे आज दिनांक से बदलकर अपने निवासिक दस्तावेज अनुसार अमरपाल सिंह हंशपाल कर लिया है। अतः मेरे साथ मेरे पति का नाम अमरपाल सिंह हंशपाल के नाम से पढ़ा लिख व पासपोर्ट में अंकित किया जावे।
पुराना नामः रंजीत कौर हंशपाल पति अमरपाल सिंह
नया नामः रंजीत कौर हंशपाल पति अमरपाल सिंह हंशपाल
मनं 232 आदर्श नगर जबलपुर

नाम सुधार सूचना

मैं अमरपाल सिंह हंशपाल पिता ज्ञान सिंह हंशपाल यह घोषणा करता हूं कि मेरे पुराने पासपोर्ट क्र J3025684/11 जिसमें मेरा नाम अमरपाल सिंह पिता ज्ञानसिंह हंशपाल लिखा है जिसे आज दिनांक से बदलकर अपने निवासिक दस्तावेज अनुसार रख लिया है। अतः आज से मेरे साथ मुझे व मेरे पासपोर्ट में निवासिक दस्तावेज के अनुसार पढ़ा लिखा पहचाना जावे।
पुराना नामः अमरपाल सिंह पिता ज्ञान सिंह हंशपाल
नया नामः अमरपाल सिंह हंशपाल पिता ज्ञान सिंह हंशपाल
मनं 232 आदर्श नगर जबलपुर

कार्यालय जबलपुर विकास प्राधिकरण, जबलपुर

क्र./सम्पत्ति/जविप्रा 3506 — जबलपुर, दिनांक 11/3/2022

भूखण्ड हस्तांतरण किये जाने हेतु जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण के निम्नलिखित भूखण्डधारियों द्वारा हस्तांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञापन प्रकाशन तिथि के 15 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय जबलपुर विकास प्राधिकरण ब्लाक क्र. 7अ सिविक सेंटर मढ़ाताल, जबलपुर में प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त संपत्ति में वांछित कार्यवाही कर दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

हस्तांतरण की जाने वाली संपत्ति का विवरण

क्र.	यो.क्र.	भू./भ./दु./क्र.	विक्रेता का नाम एवं पता	क्रेता का नाम एवं पता
1	2A	भूखण्ड क्र. 14-एच	श्री निवास राजू पेरिचेरला पिता स्व. श्री पी.वेंकटराजू पता-1850/3 कॉल माइन्स ऑफिस रोड, गुप्तेश्वर जबलपुर	श्री आशुतोष साहू एवं श्री अंकुश साहू पिता श्री दीनानाथ साहू पता 1275, 1637/4 सूर्या कॉम्पलेक्स, गुप्तेश्वर मंदिर के पास, जबलपुर
2	2A	भूखण्ड क्र. 522	1. श्री हरिकिशन 2. श्री देवी प्रसाद 3 श्री बलराम सभी के पिता स्व. श्री बाबू लाल विश्वकर्मा पता 522 एकता परिसर रतन नगर रोड, जबलपुर	श्रीमती रचना दीक्षित पति श्री अतुल दीक्षित पता- डी-8 सीएटीसी कॉलोनी बमरोली, इलाहाबाद (उ.प्र.)
3	11	चेम्बर क्र.2	श्री राकेश गोयल पिता श्री निर्मल गोयल पता 737 चेरीताल गुजराती बस्ती, जबलपुर	श्री सुयश बबेले पिता श्री सुरेश बबेले पता- 1641 पंजाब बैंक कालोनी, दमोहनाका जबलपुर
4	2B	ईडब्लूएस भवन क्र. पी-18	श्री रमेश कुमार जैन पिता श्री रतनचंद जैन पता-बी-16 बाजनामठ, जबलपुर	श्रीमती विनीता जैन पति श्री विनोद जैन पता- जेडीए कालोनी बाजनामठ, जबलपुर
5	14	भूखण्ड क्र. 372	श्री दुर्गा प्रसाद बैरागी पिता स्व. श्री गया दास बैरागी पता-855 विजय नगर, जबलपुर	श्री निहाल अग्रवाल पिता निर्मल अग्रवाल पता- 392/14 घड़ी चौक, विजय नगर, जबलपुर
6	41	भूखंड क्र. 786	मोहम्मद शादाब सिददकी पिता श्री मोहम्मद रफीक सिददकी पता 506 छुटटु मियां की तलैया मस्जिद के पास तिलक वार्ड, जबलपुर	श्री मोहित तिवारी पिता श्री पवन कुमार तिवारी पता- 650 स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड, नेपियर टाउन, जबलपुर
7	41	भूखण्ड क्र. 806	फरहा शेख पति शेख अजीम पता-2746, नर्मदा नगर रददी चौकी, जबलपुर	श्रीमती उर्वशी बगरोडिया पति श्री श्रीकांत बगरोडिया पता-1166/5 भंवरताल, गार्डन के पास, जबलपुर
8	14	भूखण्ड क्र. 54	श्री हर्ष कुमार पाण्डेय पिता स्व. श्री लक्ष्मी नारायण पाण्डेय 14/54 एसबीआई के पीछे विजय नगर जबलपुर	श्री आनन्द कुमार शुक्ला पिता श्री केशव प्रसाद शुक्ला म.नं. 39/ए राजुल सिटी, गंगा नगर, गढ़ा, जबलपुर

सम्पत्ति अधिकारी
जबलपुर विकास प्राधिकरण, जबलपुर

संपादकीय

नतीजों ने चुनाव पंडितों के चौंकाया

उ.प्र. में कई मिथक तोड़कर योगी सरकार की वापसी कई मायनों में चौंकाने वाली है। सपा के सूत्रधार अखिलेश ने यादव, जाट व मुस्लिम गठजोड़ बनाकर जो कड़ी चुनौती भाजपा के लिये पैदा की, उसमें चुनाव विश्लेषक भाजपा की जीत की राह को संदेह से देख रहे थे। लेकिन बृहस्पतिवार को जब चुनाव परिणाम आये तो चुनाव पंडितों के चौंकने की बारी थी। पंजाब के अपवाद को छोड़ दें तो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में भाजपा की दमदार वापसी ने सभी को भी हैरत में डाला दिया है। दिल्ली की गद्दी की राह तय करने वाले प्रदेश के चुनाव परिणामों के समीकरणों को भाजपा व नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। यह भी कि इसके परिणाम 2024 के आम चुनाव की दिशा–दशा तय करेंगे। इस कसौटी पर भाजपा खरी उतरी है। इसे नरेंद्र मोदी की अगले आम चुनाव में दावेदारी के रूप में देखा जाने लगा है। फिलहाल भाजपा के चुनाव प्रबंधन का तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। यह भी कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्ष 2014 से बदलाव की राजनीति का जो उपक्रम शुरू हुआ था, उसका तिलिस्म अभी बाकी है। खामियों का जिम्मा राज्य सरकार पर और उपलब्धियों का श्रेय केंद्र सरकार के खाते में डालने वाला तंत्र यह मंत्र मतदाताओं को समझाने में कामयाब रहा है। तभी कोरोना संकट की टीस, महंगाई, सत्ता के विरुद्ध उपजे आक्रोश, बेरोजगारी तथा आवारा पशुओं के संकट के बावजूद उ.प्र के मतदाताओं ने भाजपा को फिर सत्ता सौंप दी। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा ने सिर्फ ध्रुवीकरण का ही सहारा लिया हो, उसने लोक कल्याण कार्यक्रमों, विकास योजनाओं व मोदी की छवि को भी भुनाया है। यह विश्वास जनता को दिलाया है कि नेतृत्व के जरिये सुरक्षा देने का काम नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। उसके जनाधार में महिलाओं, पिछड़ी जतियों के साथ ही परंपरागत वोट भी थोड़ी–बहुत नाराजगी के साथ जुड़ा रहा है। विपक्ष भाजपा के सामने कोई वैचारिक विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सका। जो मुद्दे थे भी, उन्हें जमीनी स्तर पर नहीं उतार पाया। ममता बनर्जी के नेतृत्व में मोदी का विकल्प बनने के जो प्रयास शुरू हुए थे उनको इससे झटका लग सकता है। भले ही उ.प्र. में सपा गठबंधन की चुनौती को भांपते हुए भाजपा ने अपनी पूरी मशीनरी जनाधार को बचाने के लिये लगा दी हो, लेकिन इस जीत से योगी आदित्यनाथ का कद पार्टी संगठन में मजबूत हुआ है। एक समय मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने की बात हो रही थी, वही चेहरा नूरानी होकर निकला है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने कई क्षेत्रीय व वंशवादी राजनीतिक दलों के अवसान की भी इबारत लिख दी। उ.प्र. में बसपा का सिमटना और कांग्रेस का हश्र यही कहता है। वहीं पंजाब में अकाली दल के इतिहास में सबसे बड़ी शिकस्त सामने आई है। बहुत संभव है कांग्रेस पार्टी में बाहरी नेतृत्व का प्रश्न एक बार फिर उठे। बहरहाल, चर्चा उ.प्र. में भाजपा की चुनाव इंजीनियरिंग की भी होगी कि गहरे आक्रोश को कम करके भाजपा कैसे सत्ता में लौटी। विपक्षी दलों के अस्तित्व के लिये उ.प्र. चुनाव एक अग्नि परीक्षा की तरह ही थे। मगर भाजपा ने उ.प्र. व उत्तराखंड में अपना मत प्रतिशत बढ़ाकर आलोचकों की बोलती बंद कर दी। लेकिन विश्लेषकों को यह सवाल मथ रहा है कि आखिर क्या वजह थी कि बेरोजगारी, महंगाई व व्यवस्था की विसंगतियों से क्षुब्ध होते हुए मतदाता ने मतदान स्थल पर अपना मन बदला। इसमें भाजपा के कोर वोटर वर्ग, ध्रुवीकरण के साथ विकास के मुद्दे भी प्रभावी रहे और एक भरोसा यह भी कि डबल इंजन की सरकार देर–सवेर बदलाव की वाहक बन सकती है। दिल्ली आप सरकार की कामयाबी, बिजली–पानी, चिकित्सा व शिक्षा के मुद्दों ने पंजाब के जनमानस को प्रभावित किया, लेकिन ऐसी ही कोशिश आप ने उत्तराखंड व गोवा में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके भी की थी, जबकि कामयाबी नहीं मिली। सही मायनों में पंजाब में आप की जीत के मूल में परंपरागत राजनीतिक दलों से मोह भंग होना व किसान आंदोलन से उपजी कसक भी शामिल थी।

चला 'बुल्डोजर' मंत्र, सपा गई चूक

उत्तर प्रदेश में 'डबल इंजन' और 'बुल्डोजर' का मंत्र कुछ इस कदर सिर चढ़कर बोला कि विपक्षी गठबंधन के सपने चकनाचूर हो गए। मायावती की सोशल इंजीनियरिंग पूरी तरह फेल हुई तो प्रियंका गांधी का 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का जबरदस्त अभियान 'फ्लॉप' हो गया। बेशक समाजवादी पार्टी एक मजबूत विपक्ष बनकर जरूर उभरने में कामयाब रहा। अगर आपने अखिलेश यादव और प्रियंका गांधी के अभियानों और सभाओं की भीड़ देखी होगी और खासकर अखिलेश यादव के हौसले देखे होंगे तो यह मानना मुश्किल हो रहा होगा कि आखिर नतीजे ऐसे कैसे आ गए। लेकिन भाजपा की जो कार्यशैली रही है और जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह से लेकर तमाम दिग्गज नेताओं ने खुद को यूपी पर केन्द्रित किया है, उससे ये नतीजे बहुत हैरत नहीं पैदा करते।

दरअसल, पिछले कई सालों से यूपी की सियासत एक खास दिशा में चलती रही है और अगर आप भाजपा की रणनीतियों पर गौर करें तो उसका सबसे बड़ा रणक्षेत्र यही प्रदेश रहा है। बेशक राम मंदिर और अयोध्या अब विवादास्पद या चुनावी मुद्दा न रहा हो, लेकिन मंदिर की राजनीति और हिन्दुत्व की प्रयोगशाला में भाजपा ने इस प्रदेश में अपनी पुख्ता ज़मीन ज़रूर तैयार कर ली है। उसे सबसे बड़ा फायदा अगर मिला है तो वह है यहां के बिखरे हुए और कमज़ोर विपक्ष का। सपा के दागदार अतीत और बसपा की लगातार कमजोर होती ज़मीन, देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की बदहाली और इन तमाम पार्टियों से लोगों का तेजी से मोहभंग, भाजपा के लिए हमेशा से फायदेमंद रहा है।

बतौर विपक्ष अगर देखें तो इस बार समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर से खड़े होने की कोशिश जरूर की है। चुनाव से पहले के गठबंधन की जो रणनीति बनी थी बेशक उस पर कई सवाल अब उठेंगे और उसकी खामियों का भी विश्लेषण जरूर होगा। लेकिन इतना तो जरूर है कि जब विपक्ष इतने खेमों में बंटा हो और सबके अपने-अपने अहंकार हों तो भला आप भाजपा जैसी पार्टी को सत्ता से कैसे उखाड़ सकते हैं। यूपी के चुनावी गणित कम पेचीदा नहीं हैं। जातिगत आधार पर देखें या धर्म-संप्रदाय के आधार पर, यहां मुख्य मुद्दे हर बार कहीं न कहीं गुम हो जाते हैं और वोटों का ध्रुवीकरण इन आपसी बयानबाजियों और आरोपों-प्रत्यारोपों के भावनात्मक जाल में उलझ कर रह जाता है।

यूपी में जिस विपक्ष को कोरोना में सरकार की नाकामी, महंगाई, बेरोज़गारी, किसानों की समस्या, छुट्टा पशु से त्रस्त किसान, लखीमपुर कांड या महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे अहम लग रहे थे, वहीं भाजपा के लिए इनकी कोई अहमियत नहीं थी। विपक्ष लगातार लोगों में ये अवधारणा बनाने की कोशिश करता रहा कि योगी सरकार तमाम मोर्चों पर नाकाम रही है, वहीं योगी और उनकी टीम डबल इंजन, विकास की गाथाएं, सरकारी योजनाओं के लाभ को अंतिम आदमी तक पहुंचाने के साथ गुंडों, दंगइयों पर बुल्डोजर चलाने के साथ-साथ वाराणसी, अयोध्या और अन्य धर्मस्थलों के कायाकल्प की बात करते रहे। बेशक उनके लाभार्थियों ने उनकी बात सुनी और उन्हें दोबारा मौका दे दिया।लेकिन अब ये अहम सवाल है कि क्या इन नतीजों की रोशनी में हमें सपा या विपक्ष को एकदम कमजोर या असरहीन मान लेना चाहिए? क्या इसे 2024 में मोदी को वॉकओवर देने वाले नतीजे के तौर पर देखा जाना चाहिए? या फिर इससे सीख लेकर विपक्ष को नए और धारदार तरीके से अपनी रणनीति तैयार करने के तौर पर देखा जाना चाहिए। बेशक भाजपा ने यूपी में इतिहास रचा है। पहली बार प्रदेश में कोई सरकार दोबारा बनी है। इसने कई मिथक भी तोड़े हैं लेकिन पिछली बार की तुलना में देखें तो अखिलेश यादव की सपा को भी लोगों ने नकारा नहीं है। पिछली बार जहां विपक्ष सत्ता पक्ष के आगे कहीं नहीं ठहरता था, वहां इस बार वह एक मजबूत ताकत के तौर पर जरूर उभरा है।कांग्रेस को जरूर आत्ममंथन करने की जरूरत है कि आखिर उनकी स्टार महासचिव और लोगों से सीधा कनेक्ट करने वाली, भावनात्मक तौर पर जुड़ने की कोशिश करने वाली प्रियंका गांधी को भी लोगों ने क्यों ठुकरा दिया और क्यों अब कांग्रेस का वजूद इस नई पीढ़ी के नेतृत्व में लगातार खतरे में पड़ता दिख रहा है। अगर अब भी कांग्रेस अपने नेतृत्व में बदलाव और संगठन की खामियों को लेकर गंभीर नहीं हुई तो आने वाले कुछ राज्यों के चुनावों के साथ-साथ 2024 में उसकी हालत और खस्ता हो सकती है। यूपी तो एक बानगी भर है।मायावती की सोशल इंजीनियरिंग अब आम लोगों को या उनके तथाकथित वोट बैंक को कमरे में बंद होकर नहीं पसंद आ रही। न तो उनमें वो धार बची, न सियासत करने का वो जज्बा। ऊपर से उनके भाजपा के साथ दोस्ताना रिश्तों की चर्चा और आने वाले वक्त में उपराष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा। अब पता नहीं भाजपा के साथ भीतर ही भीतर उनकी क्या 'बात' हुई कि उन्होंने पूरी पार्टी को ही दांव पर लगा दिया।ऐसे में अब भी अगर यूपी के लोगों के लिए उम्मीद की कोई किरण हैं तो वे थोड़े-बहुत अखिलेश यादव ही हैं। बेशक इस बार अखिलेश यादव ने अपने गठबंधन और प्रत्याशियों के चयन में कई रणनीतिक गलतियां कीं, जिसका खमियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। सपा के दागदार इतिहास को दोहराते हुए उन्होंने एक बार फिर ऐसे ही कई दागदार उम्मीदवार उतारने की गलती की। अपने सहयोगियों में न तो राष्ट्रीय लोकदल को सही प्रतिनिधित्व दे पाए और चाचा शिवपाल यादव को खुश करने के चक्कर में अपने ही कुछ लोगों को नाराज होने से भी नहीं बचा पाए। इससे कम से कम उन्हें पचास सीटों का नुकसान तो हुआ ही। जाहिर है ये सपा की अंदरूनी चिंता का विषय है और अखिलेश की टीम इसकी समीक्षा करेगी।

अतुल सिन्हा

विदेशों में डाक्टरी पढ़ाई के किंतु-परंतु

हाल ही में यूक्रेन युद्ध में एक भारतीय छात्र की मृत्यु ने वहां फंसे हजारों भारतीय छात्रों की मुश्किलों की ओर ध्यान खींचा है। भारत से विदेश जाकर मेडिकल की पढ़ाई करने वालों में एक बड़ी तादाद यूक्रेन जाती है, हालांकि, रूस और चीन सबसे पसंदीदा जगहें हैं। काफी विद्यार्थी किर्गिज़स्तान, नेपाल, बांग्लादेश और फिलीपींस भी पढ़ने जाते हैं।

भारत में फिलहाल 605 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनकी एमबीबीएस कोर्स में सालाना भर्ती क्षमता 90,825 है। लगभग आधे मेडिकल कॉलेज सरकारी हैं तो बाकी निजी अथवा किसी ट्रस्ट/सोसायटी द्वारा संचालित हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स की वार्षिक फीस 10000 रुपये से कम (एम्स) से लेकर 1.5 लाख रुपये (केरल) है, लेकिन निजी कॉलेजों में पूरे कोर्स के 83 लाख (मुलाना) से 1.15 करोड़ (डीवाई पाटिल मेडिकल कॉलेज, नवी मुंबई) तक लगते हैं।

मेडिकल शिक्षा पाने को विद्यार्थी विदेशों का रुख क्यों करते हैं? देशभर में कुल मिलाकर उपलब्ध लगभग 90 हजार सीटों के लिए इस साल नीट (एनईईटी) प्रवेश परीक्षा में लगभग 15 लाख छात्रों के बैठने का आकलन है। विभिन्न किस्म का आरक्षण कोटा और निजी कॉलेजों में ऊंची फीस के चलते जिन उम्मीदवारों ने 35000 जैसा ऊंचा स्कोर पाया हो, उन्हें भी सीट नहीं मिल पाती, जबकि कोई कम नंबर पाकर भी डीम्ड यूनिवर्सिटी से या प्रबंधन कोटे के तहत प्रवेश पा लेता है। जो छात्र निजी कॉलेजों में प्रवेश पाने की आर्थिक हैसियत नहीं रखते, उन्हें विदेश जाना पड़ता है क्योंकि वहां पूरे कोर्स का खर्चा 20-30 लाख रुपये आता है। इनके अलावा एक श्रेणी वह है, जिसने न तो नीट पास किया या फिर स्थान इतना निचला पाया कि स्वदेशी मेडिकल कॉलेज में भर्ती नहीं हो पाती।

वर्ष 2002 में टीएमए पई मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि जो निजी शैक्षणिक संस्थान सरकार से अनुदान नहीं लेते, वे अपने मुताबिक व्यावसायिक कोर्स फीस निर्धारित करने को स्वतंत्र हैं। इसके बाद हर राज्य में फीस निर्धारण समिति का गठन हुआ, जिसके पास यह अधिकार था कि तात्कालिक बुनियादी ढांचे और विस्तार योजना इत्यादि को ध्यान में रखते हुए फीस निर्धारण करे। इसका उद्देश्य चंदा-भर्ती को हतोत्साहित और मेरिट को बढ़ावा देना था। बदनाम रहे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की जगह बनाए गए राष्ट्रीय मेडिकल आयोग ने पिछले साल नवम्बर माह में निजी मेडिकल कॉलेज में 50 फीसदी सीटों पर फीस निर्धारित करने का सुझाव दिया था। प्रत्येक ऐसे संस्थान को 50 प्रतिशत सीटें मेरिट (नीट रैंक) के आधार पर देनी होंगी, जिसके लिए सालाना फीस 6-10 लाख होगी। बाकी की सीटें प्रबंधन कोटे की रहेंगी, जिनकी वार्षिक फीस 15-18 लाख ले सकेंगे। डीम्ड यूनिवर्सिटी में वार्षिक फीस 25 लाख तक हो सकती है। वर्ष 2016 तक निजी कॉलेजों के लिए कोर्स गैर-मुनाफा आधार पर चलाना अनिवार्य था। लेकिन सरकार ने इस धारा को हटा दिया और हर साल 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने को मंजूरी दे दी।

साथ ही विदेशों में प्रशिक्षण प्राप्त डॉक्टरों को भारत में प्रैक्टिस करने के लिए पंजीकरण करवाने और फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन (एफएमजीई) परीक्षा पास करने पर भारतीय मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति भी दे दी। हालांकि, पिछले पांच सालों में एफएमजीई उत्तीर्ण करने वालों का प्रतिशत 16 रहा है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने हाल ही में कहा था कि विदेशों से मेडिकल पढ़ाई करने वालों में 90 फीसदी भारत में योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफल रहते हैं। यह कथन जहां एक ओर वहां करवाई पढ़ाई का घटिया स्तर दर्शाता है वहीं छात्रों की योग्यता भी बतलाता है जो नीट परीक्षा में निचला स्थान पाने के बावजूद किसी भी हील-हवाले से मेडिकल डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। इसीलिए हर साल विदेशी मेडिकल शिक्षा प्राप्त लगभग 30000 डिग्रीधारकों में 5000 से भी कम वैध मेडिकल प्रैक्टिस करने की प्रामाणिकता रखते हैं, शेष को या तो दुबारा इम्तिहान पास करना पड़ता है या छोटी जगहों पर अवैध प्रैक्टिस करने लगते हैं, या फिर कोई और व्यवसाय चुन लेते हैं। लिहाजा स्नातकोत्तर डॉक्टर बनने की संभावना बहुत कम होती है।

भारत में मेडिकल कॉलेज सीटें बढ़ाने के सुझाव आते रहते हैं। देश में प्रत्येक 1000 लोगों के पीछे 1 डॉक्टर होने की सिफारिश के हिसाब से लगभग 13 लाख 80 हजार डॉक्टर होने चाहिए। जबकि देश में रजिस्टर्ड एलोपैथ डॉक्टरों की संख्या 10 लाख 20 हजार है। पिछले 8 सालों में, देश में एमबीबीएस सीटें 51,500 से बढ़कर 90,000 हो गई हैं। विशेषज्ञों के बीच यह बहस आम है कि क्या इनकी संख्या और बढ़ाई जाए या नहीं। सीटें बढ़ाने के लिए न केवल अतिरिक्त बुनियादी ढांचे में बल्कि माकूल सुविधाओं में बढ़ोतरी करने की जरूरत होती है। अगर इस इजाफे के बाद आर्थिक रूप से वहन योग्य सीटें बहुत कम बढ़ पाईं तो यह समस्या को आगे गहराने जैसा होगा।

अन्य गंभीर मुद्दा जिस पर ज्यादा चर्चा नहीं होती, वह यह कि एमबीबीएस डिग्री पाने में खर्च हुए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये के बाद कमाई कितनी होती है। एक एमबीबीएस डॉक्टर को निजी अस्पताल में मासिक वेतन लगभग 30-40 हजार मिल पाता है (निजी क्लीनिक चलाकर ज्यादा भी कमा सकता है) और सरकारी नौकरी में वेतन लगभग दोगुणा है। अपनी शिक्षा पर लगाए पैसे को पूरा करने के लिए कुछ डॉक्टर अनुचित तरीके अपनाते हैं। कुछ साल पहले, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में भारत में सरकारी नौकरी कर चुके आस्ट्रेलियन डॉ. डेविड बर्जर का किस्सा छापा था, शीर्षक था ='हाउ क्रप्शन रूइन्स द डॉक्टर-पेशेंट रिलेशनशिप इन इंडिया-2014'। डॉ. बर्जर यह देखकर हैरान थे कि उच्च रक्तचाप जैसे आम लक्षण वाले मरीज को भी हर तीन महीने बाद निजी मेडिकल परीक्षण केंद्रों से इकोकार्डियोलॉजी करवाने को कहा जाता है। उनके सहयोगी सरकारी डॉक्टरों ने बताया कि प्रत्येक अनुशंसा के बदले कुछ सौ रुपये बतौर कमीशन मिलते हैं। उनकी टिप्पणी थी ='इस तरह भारत के डॉक्टर अनुशंसा-कमीशन के 'पुनीत चक्र' के बीच जीते हैं।'

इस सारी स्थिति से निकलने को राह ढूंढ़ने की जरूरत है। बेशक हाल ही में राष्ट्रीय मेडिकल आयोग के जरिए ढांचे में बदलाव किया गया है, फिर भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। मेडिकल शिक्षा को सुव्यवस्थित किया जाए, इसकी शुरुआत निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस और एमबीबीएस/पीजी सीटों में अनुपात अंतर को तर्कपूर्ण करके हो सकती है। एमबीबीएस सीटों में बढ़ोतरी के लिए ज़हन में रोजगार क्षमता का आकलन किया जाना आवश्यक है। अभिभावक और डॉक्टर बनने के चाहवान छात्रों को विदेशों में मेडिकल शिक्षा प्राप्ति के बाद की हकीकत से आगाह किया जाना चाहिए।

-राकेश कोछड़

आपका राशिफल 13 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेंगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

फिल्म वर्ग पहेली- 5749

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गाना वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गाना वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर साहू की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गाना वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूंगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 5748

Jagrutidaur.com, Bangalore

सर्दियों में नहीं पी रहें सही मात्रा में पानी तो हो जाएंगे इन बीमारियों के शिकार

सर्दियों में अक्सर लोग उतना पानी नहीं पी पाते, जितने उनके शरीर को जरूरत होती है। इसका एक कारण यह है कि ठंड के मौसम में ज्यादा प्यास नहीं लगती। एक्सपर्ट की मानें तो हर व्यक्ति को एक दिन में कम से कम 8-9 गिलास पानी पीना चाहिए। भरपूर मात्रा में पानी ना पीने से आफको कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। चलिए आपको बताते हैं कि सर्दियों में पानी ना पीने से क्या-क्या समस्याएं हो सकती है और इसका हल कैसे किया जाए।

डिहाइड्रेशन

शरीर में पानी की कमी डिहाइड्रेशन का कारण बन सकती है। डिहाइड्रेशन के कारण इलेक्ट्रोलाइट का स्तर भी कम हो जाता है, जिसका दिमाग पर भी असर पड़ता है।

मांसपेशियों में खिचांव

इलेक्ट्रोलाइट एक तरह मिनरल है, जो कोशिकाओं को सिग्नल भेजने का काम करता है। इसकी कमी से कोशिकाओं को संकेत नहीं मिल पाता, जिससे मांसपेशियों में खिचांव, कमजोर याददाश्त, दौरे पड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ड्राई स्किन

सर्दियों में सिर्फ शुष्क हवा नहीं ही नहीं, कम मात्रा में पानी पीने से भी स्किन ड्राई होने लगती है। वहीं, रूखी त्वचा से झुर्रियां, झाइयां उम्र से पहले ही पड़ने लगती है।

किडनी पर असर

शरीर में पानी की कमी होने पर ब्लड वेसेल्स हाइपोथैमेमस को एक संकेत भेजती हैं और वो वैसोप्रेसिन/एंटीडायरेक्टिव हार्मोन रिलीज करती हैं। यह हार्मोन किडनी को खून से कम पानी निकालने का संकेत देता है। इससे किडनी फिल्टर का काम सही से नहीं कर पाती, जिससे पेशाब कम, गाढ़ा और गहरे रंग का हो लगता है।

किडनी को चोट

शोध के मुताबिक, लंबे समय तक कम पानी पीने से किडनी को चाट आ सकती है। खासतौर पर जिन लोगों अधिक पसीना आता है, उनमें किडनी रोग का खतरा बढ़ जाता है।

लो ब्लड प्रेशर

पानी की कमी से हाइपोटेंशन या लो प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप भरपूर पानी पीएं।

सर्दियों में नहीं पी पाते पानी तो क्या करे?

. खीरा, हरी सब्जियां, मूली ब्रोकली, सेब, दही, पके हुए चावल, पालक, नींबू, टमाटर, स्ट्रॉबेरी, अंगूर, या ऐसी चीजें खाएं, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है।. सर्दियों में वेजिटेबल सूप पी सकते हैं। इसके अलावा नारियल पानी, जूस आदि लें।. पानी का स्वाद फीका लगता है तो उसमें तुलसी, पुदीना मिलाकर पीएं।

सूडोकु नवताल- 6247

★★★ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6246 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

विचार प्रवाह

10 साल के हो जाओ तो मां की उंगली पकड़कर चलना छोड़ दो। 20 साल के हो जाओ तो खिलौनों से खेलना छोड़ दो। 30 सालके हो जाओ तो इधर उधर घुमाना छोड़ दो। 40 साल के हो जाओ तो रात में खाना छोड़ दो। 50 साल के हो जाओ तो होटल में जाना छोड़ दो। 60 साल के हो जाओ तो व्यापार करना छोड़ दो। 70 साल के हो जाओ तो बिस्तर पर सोना छोड़ दो। 80 साल के हो जाओ तो लस्सी पीना छोड़ दो। 90 साल के हो जाओ तो और जीने की आशा छोड़ दो। 100 साल के हो जाओ तो दुनिया को ही छोड़ दो।

मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज

शब्द पहेली - 7306

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 7305 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

गेहूं बेचने के लिए ऑनलाइन स्लाट बुकिंग करवा सकेंगे किसान

इंदौर। शासकीय व्यवस्था के तहत किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों को गेहूं बेचने के लिए के लिए अब मोबाइल फोन पर एसएमएस का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अब वे आनलाइन माध्यम से स्लाट बुकिंग करवा सकेंगे। इसके लिए किसानों को एसएमएस से लिंक भेजी जाएगी। किसान फसल बेचने के लिए निर्धारित पोर्टल से नजदीकी खरीदी केंद्र, तारीख और टाइम स्लाट का चयन कर सकेंगे। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रमुख सचिव फैज अहमद किदवई ने शुक्रवार को रेसीडेंसी कोठी पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं रबी उपार्जन की तैयारी की समीक्षा बैठक के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने किसानों के खातों के आधार सीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शासन द्वारा आधार एवं भू-अभिलेख का डाटा मिलाया जा रहा है, जिससे सभी किसानों का एक कामन डाटा बेस तैयार कर लिया जाएगा। उन्होंने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि रबी उपार्जन 2022-23 के लिए पहले से 50 प्रतिशत बारदाना की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बैठक में संभाग आयुक्त डा. पवन कुमार शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक तरुण पिथोड़े, खाद्य विभाग के संचालक दीपक सक्सेना, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, खाद्य, सहकारिता, कृषि सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव किदवई ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि बिना उचित अनुमति एवं पंजीयन के बायोडीजल का विक्रय जिले में नहीं किया जा सकेगा। विक्रेता जिससे बायोडीजल ले रहा है उसका भी सत्यापन कराया जाए। बायोडीजल की मानक गुणवत्ता एवं न्यूनतम टेस्ट आवश्यक रूप से किया जाए। प्रमुख सचिव ने कहा कि इंदौर संभाग में चावल मिलें स्थापित करने के उद्देश्य से धान बाहर से मंगवाया जा रहा है। चावल की भूसी से हम राइस ब्रान तेल का उत्पादन कर सकते हैं, जिसका उपयोग कुकिंग आइल के रूप में किया जा रहा है। यदि इस आइल का उत्पादन अधिक संख्या में होता है तो इससे किसानों और मिल मालिकों को लाभ हो सकेगा। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि उचित मूल्य दुकानों एवं केंद्रों पर कम से कम तीन माह की भंडारण क्षमता होना अनिवार्य है।

बायोडीजल की मानक गुणवत्ता एवं न्यूनतम टेस्ट आवश्यक रूप से किया जाए

बिना पंजीयन के नहीं बेचा जा सकेगा बायोडीजल

ग्वालियर में रेलवे की लाउंड्री बंद

ग्वालियर। रेलवे बोर्ड ने शुक्रवार को ट्रेनों के एसी कोच में यात्रियों को कंबल, चादर, तकिया यानी बेडरोल उपलब्ध कराने के आदेश जारी कर दिए हैं। इस पर देशभर की ट्रेनों में पूरी तरह से अमल होने में अभी 10 दिन का समय लगेगा, लेकिन ग्वालियर से चलने वाली पांच और झांसी से चलने वाली एक ट्रेन में अप्रैल माह के पहले सप्ताह तक बेडरोल उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। इसका कारण है कि ग्वालियर में कंबल, चादर, तकियों की धुलाई के लिए लगाई गई लाउंड्री बंद पड़ी हुई है। अब रेलवे इसके ठेके की प्रक्रिया कर रही है। इसमें लगभग 20 दिन का समय लग जाएगा। रेल मंत्रालय ने 2 साल बाद रेल यात्रियों के लिए कंबल सुविधा बहाल कर दी है। हालांकि यह सुविधा अभी केवल लंबी दूरी की ट्रेनों में ही दी गई है। रेलवे ने मार्च-2020 से कोरोना महामारी के कारण यात्रियों को दिए जाने वाले चादर, तकिया और कंबल देना बंद कर दिया था। इसके पीछे संक्रमण को फैलने से रोकना कारण बताया गया था। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर शिवम शर्मा ने बताया कि कोविड-19 के कारण महामारी और कोविड प्रोटोकॉल को देखते हुए ट्रेनों से यात्रियों की आवाजाही के लिए स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोटोकाल (एसओपी) जारी किया गया था, जिसमें लिनेन चादर, कंबलों और ट्रेनों के अंदर के पर्दों पर पाबंदी लगाई गई थी। अब रेलवे ने चादर, कंबल और पर्दों पर लगाई गई पाबंदी को हटा दी है। ये चीजें उसी तरह उपलब्ध कराई जाएंगी, जिस तरह कोरोना से पहले थीं।

इन ट्रेनों में नहीं मिलेगी सुविधा-

बुंदेलखंड एक्सप्रेस, रतलाम इंटरसिटी एक्सप्रेस, ग्वालियर-अहमदाबाद एक्सप्रेस, सुशासन एक्सप्रेस सहित छह ट्रेनों में अभी यह सुविधा शुरू होने में समय लगेगा। एक गाड़ी में करीब 400 सेट चढ़ाए जाते हैं। एक सेट में दो चादर, एक कंबल, एक तकिया और उसका कवर तथा एक हैंड टावल उपलब्ध कराई जाती है।

बेडरोल की सुविधा के लिए 10 दिन और करना होगा इंतजार

भोपाल । रेलवे बोर्ड ने ट्रेनों में लिनेन यानी चादर-कंबल की सुविधा पुन: देने के निर्देश दिए हैं, लेकिन भोपाल रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों से शुरू होने वाली ट्रेनों में यह सुविधा करीब 10 दिन बाद ही मिल पाएगी। इसकी वजह है कि रेलवे ने अभी पूरी तरह से इसकी तैयारी नहीं की है। भोपाल स्टेशन से चलने वाली भोपाल-सिंगरौली, भोपाल-लखनऊ और रानी कमलापति स्टेशन से चलने वाली भोपाल एक्सप्रेस, रेवांचल एक्सप्रेस और हमसफर एक्सप्रेस में लिनेन की सुविधा दी जाती है। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि सभी ट्रेनों में मिलाकर करीब 4000 सेट बेडरोल की जरूरत रोज पड़ती है। मार्च 2020 में कोरोना संक्रमण आने के बाद संक्रमण के खतरे को देखते हुए ट्रेनों में बेडरोल की सुविधा बंद कर दी गई थी। इसमें तकिया कवर, कंबल चादर और टॉवेल शामिल हैं। भोपाल और रानी कमलापति से चलने वाली ट्रेनों में लगने वाले बेडरोल की धुलाई रेलवे की मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री में की जाती है। इसका संचालन आउटसोर्स पर दिया गया है। भोपाल रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सौरभ बंदोपाध्याय ने शुक्रवार को भोपाल स्टेशन के पास बनी इस लॉन्ड्री का निरीक्षण कर इसे जल्दी शुरू करने के निर्देश दिए हैं, ताकि ट्रेनों में बेडरोल की सुविधा जल्दी शुरू की जा सके। भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह तरफ बनाए गए रेल कोच रेस्टोरेंट में सुविधाएं इस महीने के अंत से मिलने लगेंगे। इसका संचालन पीपीपी मोड पर किया जाएगा, जिसके लिए एजेंसी तय कर ली गई है। रेस्टोरेंट में टेबल कुर्सी लगाने का काम भी पूरा हो गया है। इस रेस्टोरेंट को ट्रेन की बोगी की तरह बनाया गया है।

भोपाल। वन विहार की सैर के लिए जाने वाले सैलानियों के लिए अच्छी खबर है। उन्हें यहां अब बड़ी संख्या में मोर देखने को मिलेंगे। इसकी वजह यह है कि यहां मोरों की संख्या एक साल के भीतर दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई है। पिछले साल फरवरी में 114 मोर थे, जो एक साल के भीतर बढ़कर 257 हो गए हैं। 2020 में हुई गिनती में 65 मोर मिले थे। यह जानकारी वन विहार प्रबंधन द्वारा शुक्रवार को जारी 2021-22 की गणना रिपोर्ट में सामने

वन विहार में एक साल के भीतर दोगुनी से भी ज्यादा हुई मोरों की संख्या

आई है। रिपोर्ट के अनुसार वन विहार में सांभर, चीतल, हिरण और काला हिरण की संख्या घटी है। लंगूर और सियार बढ़े हैं। वन विहार के सहायक संचालक एके जैन ने बताया कि 24, 25 और 26 फरवरी को स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाले शाकाहारी वन्य प्राणियों और बाड़ों में रखे गए बंधक वन्य प्राणियों की गणना की गई थी। इसमें कुछ की संख्या घटी है तो कुछ बढ़े भी हैं। हर साल फरवरी के आखिरी सप्ताह में यहां पर वन्य प्राणियों की गणना की जाती है। पार्क के अंदर खुले में विचरण करने वाले वन्यप्राणी अब 1652 हो गए हैं जो 2021 में 1558 और 2020 में 1485 थे।

इन वन्यप्राणियों की संख्या कम हुई

नीलगाय, काले हिरण, खरगोश, भालू की संख्या कम हुई है। पार्क प्रबंधन इन वन्यप्राणियों की संख्या कम होने के कारणों का अध्ययन कर रहा है। बारहसिंगा, मगरमच्छ और जंगली बिल्ली की संख्या जस की तस है।

फिर शराबबंदी की मांग पर अड़ीं उमा भारती

मैंने कर दी अभियान की शुरूआत

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बातचीत के ठीक एक दिन बाद पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने फिर शराबबंदी की मांग तेज कर दी है। शुक्रवार को मीडिया के साथ बातचीत में उमा भारती ने कहा कि मैंने गुनगा (भोपाल) से शराबबंदी अभियान की औपचारिक शुरूआत कर दी है। अब मैं गांव या शहर में शराब दुकानों के सामने खड़ी होने लगूंगी। ऐसा करने से जनमत स्पष्ट होगा और जागरुकता भी आएगी। नशाबंदी के लिए समाज और शराबबंदी के लिए सरकार को अगुवाई करना पड़ेगी। क्योंकि शराब दुकानें तो सरकार की नीति से खुलती हैं। गौरतलब है कि गुनगा में एक शराब दुकान के सामने उमा भारती खड़ी हो गई थीं, तो पूरा गांव उनके साथ खड़ा हो गया। उमा भारती ने कहा कि कांग्रेस मेरा समर्थन करना चाहती है, तो करे। इसका इंतजार न करें कि मैं झंडा लेकर चलूंगी और वह सब मेरे पीछे चलेंगे। इसे सामाजिक अभियान बनाना है, राजनीतिक नहीं। जिसे लगता है कि शराब नहीं बिकनी चाहिए, वह जहां जितना विरोध कर सकता है करे। ये पूछने पर कि क्या अभियान में मुख्यमंत्री शामिल होंगे। उन्होंने कहा ये बात उनसे पूछिए। मुख्यमंत्री ने मुझे जन जागरूकता से अभियान शुरू करने को कहा है। मैंने कहा है कि निषिद्ध स्थानों पर शराब की दुकानें हैं, वहां से शुरू करिए, उन्हें हटाइए। क्या राजनीतिक दलों के संविधान में शराब का सेवन करने पर सदस्यता खत्म होने का प्रविधान कराने का प्रयास करेंगे। इस सवाल पर उमा ने कहा कि ऐसा किया जाएगा। उन्होंने कहा सिगरेट के पैकेट की तरह शराब पीने से नुकसान होने का होर्डिंग दुकानों के पास लगना चाहिए। उल्लेखनीय है कि उमा भारती बार-बार ट्वीट कर शराबबंदी शुरू करने की चेतावनी देती रही हैं।

शिक्षा-स्वास्थ्य में सुधार की जरूरत

उमा ने कहा वर्ष 2024 के परिणाम अच्छे आएंगे। लोगों की इच्छा है कि पूरे देश में शिक्षा-स्वास्थ्य की व्यवस्थाओं में सुधार हो। ये बड़ी चिंता का विषय है। कैबिनेट की सदस्य रही, तब भी मैंने इसे उठाया। निजी-सरकारी व्यवस्थाओं में बड़ा अंतर है। सरकारी चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत लोग ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। कानून व्यवस्था बनाई सपा के समय उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बड़ा मुद्दा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने विकास कार्यों के साथ इससे अच्छे से निपटा। उत्तराखंड में भी विकास के कार्य हुए हैं। कांग्रेस छत्तीसगढ़, राजस्थान में सत्ता से बाहर हो जाएगी और मप्र में विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं रहेगी। यही हाल पूरे देश में होने वाला है।

अपनी भूमिका पर कहने से बचीं भारती

वर्ष 2023-24 में उनकी क्या भूमिका रहेगी। उमा इस सवाल को टाल गईं। प्रियंका गांधी वाड्रा को लेकर कहा उन्हें इस लायक नहीं समझती कि उनका नाम लूं। ये पुस्तैनी अहंकार है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मैंने भाजपा कभी नहीं छोड़ी, मुझे निकाला गया था।

नीलगाय बनी समस्या, शिकार की अनुमति पर नहीं हो पा रहा फैसला

भोपाल। ओलावृष्टि, अतिवृष्टि आदि समस्याओं से जूझ रहे मध्य प्रदेश के किसानों के लिए नीलगाय (रोजड़ा) भी बड़ी समस्या बने हुए हैं। रतलाम, मंदसौर, नीमच, देवास, छतरपुर, सागर, रीवा, शहडोल सहित 36 जिलों में नीलगाय की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके सही आंकड़े वन विभाग के पास भी नहीं हैं, पर विभाग मानता है कि संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसे में विधायकों ने विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया है। विधायक डा. राजेंद्र पाण्डेय द्वारा विधानसभा में लगाए प्रश्न पर वनमंत्री विजय शाह ने लिखित जबाव में कहा कि राजस्व क्षेत्र में नीलगाय की जानकारी ग्रामीणों की सूचना पर आधारित होती है। उधर, सरकार पिछले एक साल में नीलगाय के शिकार के नियमों को सरल नहीं कर पाई है। इसका प्रस्ताव सरकार स्तर पर लंबित है। सूअर, हिरन की तरह नीलगाय भी खड़ी फसलों को बर्बाद करती हैं। यह दूसरे वन्यप्राणियों की तुलना में ज्यादा नुकसान करती हैं। इससे परेशान किसान कई साल से सरकार से गुहार लगा रहे हैं। विधानसभा के इस सत्र में भी यह मामला उठा है। वनमंत्री ने लिखित जबाव में कहा है कि नीलगाय से फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई सरकार

विलुप्त होने की कगार पर नर्मदा नदी में कछुए

भोपाल। नर्मदा नदी में अवैध रेत खनन और तस्करी के चलते इसमें पाए जाने वाले इंडियन टेंट प्रजाति के कछुए विलुप्त होने की कगार पर हैं। नर्मदा-तवा नदी के संगम बांद्राभान के साथ हरदा और खंडवा के आसपास के बहाव क्षेत्र से तो ये पूरी तरह गायब हो गए हैं। यह जानकारी भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जूलाजिकल सर्वे आफ इंडिया) के विज्ञानियों के सर्वेक्षण में सामने आई है। प्राकृतिक स्वच्छता कर्मी कहलाने वाले कछुए काई और शैवाल आदि खाकर जीवित रहते हैं और पानी में आक्सीजन की मात्रा बढ़ाते हैं। पर्यावरणविदों ने इस पर चिंता जताते हुए नर्मदा के पूरे बहाव क्षेत्र में कछुओं और उनके रहवास की तलाश कर इनके संरक्षण के प्रयास किए जाने की मांग की है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के विज्ञानी प्रत्यूष महापात्रा कछुओं पर शोध कर रहे हैं। उन्होंने पांच साल पहले साथियों के साथ जबलपुर से नर्मदापुरम, हरदा और खंडवा के नजदीक के नर्मदा के बहाव क्षेत्र में कछुओं का सर्वे किया था। इस दौरान उन्हें नर्मदापुरम और खंडवा के नजदीक नर्मदा के कई किनारों पर कछुए दिखे थे। इस वर्ष जनवरी में एक भी कछुआ नजर नहीं आया। प्रत्युष बताते हैं कि नर्मदा में टेंट पेंगासुरुआ टेंटोरिया या इंडियन टेंट टर्टल पाए जाते हैं। ये नर्मदा के पारस्थितिकी तंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए लग रहा है कि ये कछुए खत्म होने की कगार पर हैं।

अवैध खनन से प्रभावित हो रहा प्रजनन

पर्यावरणविद सुभाष सी पांडेय बताते हैं कि मादा कछुआ रेत में अपने रहवास में अंडे देकर चली जाती है जो गर्मी के असर से सेये जाते हैं। नर्मदा के किनारों में रेत के अवैध खनन से इनके प्रजनन में व्यवधान हो रहा है। रेत ढुलाई के लिए भारी वाहन चलते हैं जिससे कछुओं के अधिकांश अंडे टूट जाते हैं। इसके चलते नर्मदा के कछुए विलुप्ति की कगार पर हैं।

तस्करी की भी आशंका

इसी अध्ययन के मुताबिक इस इलाके में चोरी-छुपे कछुओं की तस्करी भी हो रही है। कुछ स्वयंसेवकों ने बाजार में पूछताछ की तो मछुआरों और विक्रेताओं ने मांग पर कछुए उपलब्ध करा देने की बात कही। यह होती है इंडियन टेंट टर्टल प्रजाति यह कछुओं की भारत और बांग्लादेश में पाई जाने वाली प्रजाति है। यह अब संकट में है इसलिए इसे शेडयूल-वन में रखा गया है। ये ताजे पानी में रहते हैं। मुख्यत: पानी से काई, शैवाल आदि खाते हैं।

डायल 100 के 632 करोड़ के टेंडर में गड़बड़ी की चर्चा सरगर्म

भोपाल। डायल 100 योजना की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए सलाहकार कंपनी के चयन में पुलिस महानिदेशक स्तर पर गड़बड़ी की गई। निर्धारित शर्त में बदलाव कर दूसरे बोलीदार को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। डायल 100 परियोजना के 632 करोड़ के टेंडर की प्रक्रिया दोषपूर्ण रही। विधानसभा में शुक्रवार को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (कैग) के प्रतिवेदन में कहा गया कि वर्ष 2015 में आमंत्रित इस टेंडर में वरीयता क्रम में पहला बोलीदार (मेसर्स पीडब्ल्यूसी प्राइवेट लिमिटेड) चयनित हुआ था, लेकिन तकनीकी मूल्यांकन को आधार बनाकर इसे चयन से बाहर कर दिया गया। इसके आधार पर मेसर्स ग्रांट थार्नटन प्राइवेट लिमिटेड पात्र हो गया। कैग ने कहा कि यह सारी प्रक्रिया दोषपूर्ण थी और दूसरे बोलीदार को अनुचित फायदा पहुंचाया गया। कैग ने राज्य सरकार के उस तर्क को भी नामंजूर कर दिया,जिसमें कहा गया था कि तत्कालीन पुलिस महानिदेशक(डीजीपी) ने अपनी सूझबूझ से 1.19 करोड़ की बचत की। कैग ने कहा कि डीजीपी को मामले में पुनर्विचार के लिए इसे क्रय समिति को वापस करना था या नया टेंडर कराना था।

दुष्कर्म, अपहरण जैसे मामलों में भी देर से पहुंची पुलिस

एक नवंबर 2015 से लागू डायल 100 योजना में शहरों में पांच और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर फर्स्ट रिस्पांस वीकल को घटना स्थल पर पहुंचना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। दुष्कर्म, अपहरण, घरेलू हिंसा जैसे अपराधों में भी डायल 100 वाहन विलंब से पहुंचे। शहरी क्षेत्रों में औसत समय 24 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 56 मिनट रहा। इसने डायल 100 प्रणाली के उद्देश्य को विफल कर दिया। काल फारवर्ड करने में भी देरी इसमें प्रत्येक पुलिस स्टेशन में कम से कम एक फर्स्ट रिस्पांस वीकल उपलब्ध कराया गया था। इसमें पुलिसकर्मियों सहित तीन कर्मचारी रहने थे लेकिन भौतिक सत्यापन में पाया गया कि किसी में भी अपेक्षित संख्या में पुलिसकर्मी नहीं थे। मोबाइल डेटा टर्मिनल का उपयोग विधिवत नहीं किया गया। काल प्राप्त होने के तीन मिनट के भीतर उसे आगे प्रेषित करने की व्यवस्था है लेकिन 22 प्रतिशत मामलों में ही यह ऐसा हुआ। 75 प्रतिशत काल चार से 60 और 24 प्रतिशत काल 61 से 180 मिनट के भीतर प्रेषित किए गए।

भौगोलिक विश्लेषण दोषपूर्ण पाया गया

कैग ने निष्कर्ष निकाला कि एक वाहन प्रति पुलिस स्टेशन में उपलब्ध कराने की अवधारणा दोषपूर्ण थी क्योंकि इसमें जिलेवार अपराध, अपराधों के प्रकार, भौगोलिक स्थिति, यातायात एवं सड़क की स्थिति जैसे कारकों का ध्यान नहीं रखा गया। इसके कारण वाहन को निश्चित समय के भीतर पहुंचने में विलंब हुआ। ब्लैंक या अनुचित काल की समीक्षा ही नहीं की कैग ने विश्लेषण में पाया कि वर्ष 2016 से 2020 की अवधि में डायल 100 में सालाना 102.9 लाख काल प्राप्त हुए थे, जिनमें 20.7 लाख काल ही कार्रवाई के योग्य पाए गए। 82.2 लाख काल ब्लैंक, अनुचित या ऐसे थे जिनका पता नहीं मिल सका। विभाग को इसकी समीक्षा करके यह पता करना था कि गैर कार्रवाई योग्य काल के रूप में जिन्हें वर्गीकृत किया गया, वे वास्तव में गैर कार्रवाई योग्य ही थे या नहीं पर ऐसा नहीं किया गया। मिस्ड काल डेस्क भी स्थापित नहीं की गई। 2015 से 2020 के दौरान किसी भी मिस्ड या ब्लैंक काल पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। रिपोर्ट में सिफारिश की गई कि ऐसे काल की समीक्षा का तंत्र स्थापित होना चाहिए। महिलाओं से संबंधित घटनाओं में डायल 100 वाहन के पहुंचने में विलंब हुआ।

घटना का प्रकार-

घटनाएं-विलंब से आगमन वर्ष 2016 घरेलू हिंसा-821-289 पारिवारिक विवाद-4,288-1,345 महिला अपहरण-155-60 दुष्कर्म-37-19 सामूहिक दुष्कर्म-73-28 वर्ष 2017 घरेलू हिंसा-16,315-5,783 पारिवारिक विवाद-26,530-9,043 महिला अपहरण-636-283 दुष्कर्म-313-163 सामूहिक दुष्कर्म-459-192 वर्ष 2018 घरेलू हिंसा-18,569-7,868 पारिवारिक विवाद-94,841-34,919 महिला अपहरण-1,464-652 दुष्कर्म-705-375 सामूहिक दुष्कर्म-1,481-647 वर्ष 2019 घरेलू हिंसा-28,574-11,899 पारिवारिक विवाद-1,46,826-56,040 महिला अपहरण-1,894-833 दुष्कर्म-1,149-587 सामूहिक दुष्कर्म-2,229-1,021

धनौरा तहसील का ब्लॉक अध्यक्ष था पटवारी, जमीन बंटवारे के नाम पर ले रहा था रिश्वत

15 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

सिवनी यशभारत

धनौरा तहसील के देवरीटीका में पदस्थ हल्का पटवारी कौशल किशोर राजपूत को विशेष स्थापना दल लोकायुक्त जबलपुर ने शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे धनौरा स्थित पटवारी कार्यालय में 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कौशल किशोर धनौरा तहसील पटवारी संघ का अध्यक्ष भी था।

मिली जानकारी के अनुसार पैतृक जमीन का बंटवारा करवाने के एवज ने पटवारी ने 30 हजार रुपयों की मांग की थी। इसकी शिकायत तहसील केवलारी अंतर्गत केवलारी गांव निवासी पीड़ित शेख पीर पुत्र शेख हाफिज कुरैशी ने जबलपुर लोकायुक्त में की थी।शिकायत के तथ्यों को परखने के बाद शुक्रवार को जाल बिछाकर रिश्वत के 15000 रुपये लेकर धनौरा स्थित हल्का पटवारी कार्यालय में देवरीटीका में पदस्थ पटवारी कौशल किशोर राजपूत के पास भेजा गया है। रिश्वत के रुपये लेते ही पीछे से मौके पर पहुंची लोकायुक्त जबलपुर के दल ने पटवारी को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी जेपी वर्मा के नेतृत्व में आठ सदस्यीय लोकायुक्त दल ने कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसमें निरीक्षक रंजीत सिंह राजपूत सहित अन्य शामिल रहे।

एक साल से लंबित प्रकरण, मांगे 30 हजार

डीएसपी जेपी वर्मा ने नईदुनिया को बताया कि बड़े भाई की मृत्यु होने पर प्रार्थी शेख पीर कुरैशी ने पैतृक जमीन का बंटवारा करने जुलाई 2021 में आवेदन दिया था। जमीन का बंटवारा करने के लिए पटवारी ने प्रार्थी से 30 हजार रुपये मांगे थे। प्रार्थी ने आर्थिक स्थिति कमजोर होने का हवाला दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच 15 हजार रुपये में सौदा तय हो गया था। इस मामले की शिकायत 7 फरवरी 2022 को प्रार्थी ने जबलपुर लोकायुक्त में दर्ज कराई थी। जांच में शिकायत की पुष्टि होने पर पटवारी को पकड़ने जाल बिछाया गया।

बहानेबाजी कर रहा था पटवारी

लोकायुक्त द्वारा पकड़े जाने के बाद पटवारी अलग-अलग तर्क देकर अपना बचाव करता रहा। पटवारी का कहना था कि, उसने सभी जरूरी दस्तावेज तैयार कर कार्रवाई आगे बढ़ा दी थी। डीएसपी वर्मा ने बताया कि आरोपित पटवारी से पूछताछ जारी हैं। पाउडर लगे नोटों को जैसे ही पटवारी ने प्रार्थी से लेकर अपने पास रखे। वैसे ही लोकायुक्त ने उसे दबोच लिया। पानी में हाथ धुलाने पर रंग गुलाबी हो गया। पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय घंसौर हुआ वार्षिक उत्सव एवं 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह कार्यक्रम

सिवनी यशभारत

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय घंसौर जिला सिवनी में बीते दिवस नवनिर्मित ऑडिटोरियम में वार्षिक उत्सव एवं कक्षा बारहवीं के छात्र छात्राओं के विदाई समारोह का भव्य आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त महोदय जनजातीय कार्यविभाग सिवनी श्री सतेंद्र सिंह मरकाम जी, विशिष्ट अतिथि जिला कोषालय अधिकारी श्री आर एस डुडवे श्री एस के सिंह सहायक संचालक श्री एम एस डेहरिया प्राचार्य केएसपी सिवनी ,श्री प्रफुल्ल श्रीवास्तव प्राचार्य केएसपी छपारा ,श्री दीपक गोस्वामी क्रीड़ा अधिकारी श्री भगतराम सर्वे मंडल संयोजक मुकेश कांवरे अधीक्षक की गरिमामयी उपस्थिति में विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई।कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों ने विद्यालय में अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए। सहायक आयुक्त महोदय ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपने संदेश में विद्यार्थियों को सकारात्मकता एवं भावी जीवन में काम आने वाली सीख दी साथ ही रोचक प्रयोग द्वारा बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। आमन्त्रित अतिथिगणों ने भी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य श्री बी एल राहंगडाले द्वारा विद्यार्थियों के नाम अपने संदेश में प्रेरणास्पद कविता सुनाई गई एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया गया ।सभी अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों के साथ भोजन करने के उपरान्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अधीक्षकद्वय श्री बी एल भलावी, श्रीमति लक्ष्मी तेकाम श्री एम पी नागोत्रा, श्रीमति सुनीता पटेल श्री मुकुल सोनी श्रीमति भारती दुबे श्रीमति निधि सिंघल श्रीमति सुमन भारद्वाज श्रीमति माधुरी बघेल सुश्री रानूलता मरावी श्री वी एस मसराम, श्री लवकेश उइके ,आशीष मिश्रा ,निरंजन परते सचिन नामदेव गजेन्द्र डोंगरे संदीप सोनी सचिन शर्मा ,आशीष बंदेवार संदीप यादव श्रीराम राजपूत डेविड गौतम कु मीना मांझी श्रीमति मोहिनी दीक्षित श्रीमति मनीषा पटेल एवं कार्यालयीन कर्मचारी बीरन मर्सकोले,झामसिंग कुमरे राजकुमार मरावी रविन्द्र उइके रवि बकोडे सम्मिलित रहे।

कोबरा सर्प का किया गया रेसक्यू, वन विभाग से नहीं मिली मदद

सिवनी यशभारत

जिले में वन विभाग द्वारा घातक सर्पों को पकडने के लिए प्रत्येक परिक्षेत्र की जवाबदारी सौंपी गई है लेकिन कभी भी समय पर अधिकारी व कर्मचारी इस कार्य को अंजाम देने के लिए नहीं पहुंचते। ताजा मामला बंडोल वन परिक्षेत्र का है जहां शुक्रवार को पंकज अग्रवाल की बंडोल बांकी स्थित राईस मिल में सर्प निकला जिसकी सूचना बंडोल वन विभाग को दी गई परंतु वहां से लगभग 3 घंटे तक कोई सहायता नहीं मिली। जिसके बाद ग्रामीणों की सलाह पर मिल मालिक द्वारा सर्प को मारने का निर्णय किया गया परंतु इस दौरान जागरूक नागरिकों के माध्यम से मुख्यालय सिवनी निवासी प्रवीण तिवारी का नंबर मिला और उससे संपर्क होते ही वह रेसक्यू करने बांकी पहुंचा। ज्ञात रहे कि प्रवीण तिवारी वर्षों से बिना पारिश्रमिक लिए विषैले सर्पों को पकडने का कार्य कर रहा है इस दौरान इस युवक के द्वारा अनेकों बार बिच्छु जैसे जानलेवा विषधरों को भी पकड़ा गया है।

पीरामल स्वस्थ कार्यक्रम को दिखाई गई हरी झंडी

सिवनी। जिला चिकित्सा अस्पताल में कोविड एवम टीवी के संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए 100दिन 100जिले कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सा अस्पताल में पीरामल स्वस्थ के तहत आश्वशान कार्यक्रम को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश श्रीवास्तव एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ जयज ककोडिया जिला कार्यक्रम समन्वयक सुनील धुर्वे पीरामल स्वास्थ जिला सुपरवाइजर अनिरुद्ध भैरम जी ने एक कार्यक्रम को हरी झंडी दिखा कर कार्यक्रम की शुरुआत किए एक कार्यक्रम में सिवनी जिला के समस्त विकासखंड की एनजीओ पीरामल स्वास्थ की टीम उपस्थित थी लखनादौन ब्लॉक टीम से पीतम यादव ,रितेश ककोडिय। छपारा ब्लॉक से सरोज डेहरिया, नुपुर वर्मन, केवलारी ब्लॉक से रानू विसेन , कृष्ण कुमार प्रजापति। घंसौर ब्लॉक से नारायण टांडे, हेमराज धुर्वे। धनौरा ब्लॉक से धनसिंग यादव ,सरोज यादव सिवनी वा अन्य ब्लाक से पीरामल स्वस्थ की टीम उपस्थित रही । इस कार्यक्रम में गांव गांव जाके लोगो को टीवी के बारे में बताना लोगो को जागरूक करना उनको उत्तम स्वस्थ को लेके जागरूक करना और उनका उपचार हो सके इसके लिए लोगो चिकित्सक सलाह देना है ।

मुनमुन ने कृषि, ओवरलोड वाहनों, लीज से संबंधित उठाये मामले

सिवनी यशभारत

सिवनी जिले में रबी विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उर्पाजन हेतु 237 एपी आनलाईन कियोस्क, सुविधा केन्द्र, कामन सर्विस सेन्टर, लोकसेवा केन्द्र एवं 94 पंजीयन केन्द्रों के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा हैं। गेंहूं उर्पाजन हेतु उर्पाजन केन्द्र का निर्धारण एवं अन्य व्यवस्थाएं उपार्जन नीति में उल्लेखित मापदंड अनुसार की जाएगी। उक्ताशय की बात विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा पूछे गये प्रश्न के उत्तर में खाद्य मंत्री ने कही।

सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा विधानसभा सत्र में कृषि उपज का समर्थन मूल्य पर उर्पाजन के संबंध में किये गये प्रश्न का उत्तर देते हुए खाद्य मंत्री बिसाहुलाल सिंह ने बताया कि समर्थन मूल्य पर खाद्यान्न उर्पाजन हेतु मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन एवं दलहन उर्पाजन हेतु मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ नूडल ऐजेंसी है। गेहू उर्पाजन में विभाग एवं निगम के अधिकारियों की भूमिका का विवरण तथा सिवनी जिले में विगत 03 वर्षो में उर्पाजन कार्य में संलग्न शासकीय सेवकों द्वारा अपने दायित्वों का निर्वाहन किया गया है। दायित्व निर्वाहन में सिथिलता एवं अनियमित्ता करने वाले शासकीय सेवकों के विरुद्ध की गयी कार्यवाही का विवरण पुस्तकालय में रखे परिशिष्ट द अनुसार है। सर्मथन मूल्य पर खाद्यन्न उर्पाजन, परिवहन, भंडारण, भुगतान, बारदाना आदि व्यवस्था करने हेतु एकीकृत उर्पाजन नीति जारी की जाती है। जिसमें सभी संबंधित संस्थाओं एवं उनके अमले का दायित्व का निर्धारण किया जाता है। दायित्वों के निर्धारण में सिथिलता बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही भी की जाती है। उर्पाजन का कार्य विस्तृत स्वरुप का होने के कारण एक से अधिक विभागों, ऐजेंसियों, संस्थाओं द्वारा कार्य किया जाता है । उर्पाजन व्यवस्था में विसंगति होने एवं जिम्मेदारी का निर्धारण ना होने जैसी स्थिति नही है तथा उक्त कार्य अधिक से अधिक तकनीक का उपयोग कर बेहतर व्यवस्था करने का प्रयास विभाग द्वारा निरन्तर किया जा रहा है।

आगे विधायक दिनेश राय मुनमुन के सिवनी जिले में शासकीय लीज भूमि के दुरुपयोग संबंधि प्रश्न का उत्तर देते हुए राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि जिला सिवनी अंतर्गत 4297 व्यक्ति एवं संस्थाओं को आवासीय एवं व्यवसायिक प्रयोजन हेतु रकबा 1350000 वर्गमीटर नजूल भूमि स्थायी लीज पर 30 वर्षो के लिए आबंटित की गयी है। आवासीय लीज भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनों में परिवर्तन के आदेश जारी किये गये है।

ओव्हर लोडिंग परिवहन के दर्ज प्रकरण के संबंध में विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन के प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि 2020 से प्रश्न दिनांक तक जबलपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले जिले बालाघाट, छिन्दवाडा, डिण्डौरी, जबलपुर, कटनी, मंडला, नरसिंहपुर, सिवनी में यात्री परिवहन, रेत ओव्हर लोडिग पर की गयी कार्यवाही की जानकारी पुस्तकालय में रखे परिशिष्ट अनुसार है।

ओव्हर लोडिंग परिवहन कर्ता कब से इस कृत को कर रहे है इससे संबंधित जानकारी परिवहन विभाग द्वारा संधारित नही की जाती है। परिवहन विभाग समय-समय पर अवैध रुप से संचालित वाहनों पर कार्यवाही करता है। ओव्हर लोडिग यात्री परिवहन एवं अवैध रेत परिवहन से कितनी राजस्व की वास्तविक हानि हुई का आकलन संभव नही है। उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ एवं महाराष्ट्र की सीमाओं से मध्यप्रदेश की सीमाओं मे प्रवेश के दौरान प्रदेश की सीमा पर स्थित परिवहन चैकपोस्टों पर ओव्हर लोड पाये जाने पर नियमानुसार समझौता शुल्क वसूल किया जाता है। इसके साथ ही श्री राय के द्वारा अवैध रेत उत्खनन की जानकारी से संबंधित पूछे गये प्रश्न का उत्तर देते हुए खनिज संसाधन मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने समस्त जानकारी पुस्तकालय में रखे परिशिष्ट के प्रपत्र अ, ब, स, पर होने की बात कही।

मारपीट के आरोपियो को सजा

सिवनी। 13 जनवरी 2013 के रात करीब 8.00 बजे ग्राम मैली थाना बरघाट की है संतोष गवालवंशी ग्राम के खुमान सिंह के घर के अंदर बैठा था तभी गांव के हीरालाल, राजेन्द्र मर्सकोले, मतीन खान,बिशन हरदे ,मनोज कुमार डोंगरे, विदंग कुमरे, दलपत मर्सकोले लोहे की रॉड, लाठी, डंडे लेकर आये और चुनावी रंजिश को लेकर संतोष के साथ मारपीट की थी।मारपीट में संतोष के पैर की हड्डी टूट गई थी, आहत ने सभी लोगो के विरुद्ध थाना बरघाट मे रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, विवेचना के बाद पुलिस ने श्रीमती कमला उईके,न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया।शासन की ओर से श्रीमती शीतल सरयाम ने पैरवी की थी,न्यायालय ने आरोपीगण हीरालाल डोंगरे,राजेंद्र मर्सकोले, मतीन खान,बिशन हरदे, मनोज डोंगरे,विदंग कुमरे, दलपत मर्सकोले को धारा 325 एवं 452 भारतीय दंड सहिंता के तहत 2-2 वर्ष का कारावास एवं 2-2 हजार के अर्थदंड से दण्डित किया है।

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धनौरा जिला सिवनी म.प्र.

रेस्ट हाउस चौराहा मे अधोसंरचना मद से निर्मित दुकानों के आंबटन के संबंध मे आवेदन जमा करने की सूचना बावद

उपरोक्त विषयांतर्गत सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत धनौरा के ग्राम धनौरा मे रेस्ट हाउस चौराहा में अधोसंरचना मद से निर्मित क्रमश: दुकान कमांक 01 से 03 तक दुकानो का आबंटन पंजीकृत स्व-सहायता समूहों/बी.पी.एल. स्वरोजगारियों को किया जाना है। इस हेतु ग्राम पंचायत धनौरा अंतर्गत आने वाले स्व-सहायता समूहों/बी.पी.एल. स्वरोजगारी ग्राम पंचायत भवन धनौरा मे कार्यालयीन समय मे दिनांक 11/03/2022 से 21/03/2022 तक आवेदन जमा कर सकते है। आवेदन के साथ स्व-सहायता समूहों/बी.पी.एल. स्वरोजगारी होने संबंधी दस्तावेज अनिवार्यत: जमा करें।

टीप- विस्तारपूर्वक नियम एंव शर्तो को कार्यालयीन समय में जनपद पंचायत धनौरा एंव ग्राम पंचायत धनौरा के सूचना पटल पर देखा व पढा जा सकता है।

आर.एल. डेहरिया
आबंटन प्रभारी/खंड पंचायत अधिकारी
जनपद पंचायत धनौरा

दिनांक. 10.03.2022

कार्यालय मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, जिला-सिवनी (म.प्र.)

नगर पालिका चौराहा, एन.एच.7 मार्ग, जिला-सिवनी (म.प्र.) 480661
Email Id : cmoseoni@mpurban.gov.in Phone : 07692221301

क्रमांक 3311 /रा.शा./न.पा.प./2022 सिवनी, दिनांक 11/3/2022

नीलामी सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका प्रशासन सिवनी के अधीनस्थ सामुदायिक भवन महामाया वार्ड, संजय वार्ड एवं अम्बेडकर वार्ड का ठेका की नीलामी वर्ष 2022-23 में 01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक कुल 12 माहों के लिये नगर पालिका राजस्व कार्यालय सिवनी में दिनांक 30/03/2022 को समय 12:00 बजे से रखी गई है। नियत दिनांक में ठेकों की उच्चतम बोली प्राप्त ना होने पर दिनांक 31/03/2022 को 12:00 बजे दोपहर से पुन: पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार की जावेगी। उपरोक्त दिनांक 01/04/2022 को निकाय की क्रमांक 01 व 02 की ठेका नीलामी की कार्यवाही क्रमानुसार की जावेगी। द्वितीय क्रम में बबरिया तालाब की भूमि घास बीड़ एवं छोटा तालाब घास बीड़/कृषि कार्य हेतु नीलामी वर्ष 2022-23 हेतु 11 माह (01 अप्रैल 2022 से 28 फरवरी 2023 तक) की अवधि के लिए प्रथम क्रम की बोली कार्यवाही समाप्त होने पर आरम्भ होगी। द्वितीय क्रम की उच्चतम बोली न आने पर दिनांक 04/04/2022 को प्रथम क्रमांक की बोली दिनांक 04/04/2022 को न हो पाने की दशा में प्रथम क्रमांक की बोली कार्यवाही के पश्चात् होगी एवं प्रथम क्रमांक की बोली दिनांक 05/04/2022 को हो जाने की दशा में दिनांक 05/04/2022 को दोपहर 12:00 बजे से होगी।

ठेकों की विस्तृत शर्ते एवं संशोधित दरे नगर पालिका के राजस्व कार्यालय में कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है।

विवरण

क्र	ठेके का विवरण क्र. 01	अमानत राशि	सरकारी बोली	ठेका की अवधि	कार्यस्थल
A	सामुदायिक भवन महामाया वार्ड (संचालन एवं संधारण कार्य का ठेका)	25,000=00	65,000=00	01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक (12 माह हेतु)	नगर पालिका राजस्व शाखा परिसर
B	सामुदायिक भवन संजय वार्ड (संचालन एवं संधारण कार्य का ठेका)	38,500=00	1,10,000=00		
C	सामुदायिक भवन अम्बेडकर वार्ड (संचालन एवं संधारण कार्य का ठेका)	25,000=00	65,000=00		

ठेके का विवरण क्र. 02 बबरिया घास बीड़/प्लाट नंबर		अमानत राशि	सरकारी बोली	ठेका की अवधि	कार्यस्थल
प्लाट नंबर -01	शंकराचार्य पार्क सीमा से चौकीदार क्वार्टर के पीछे आम के पेड़ तक।	5000.00	48,000.00	01 अप्रैल 2022 से 28 फरवरी 2023 तक (11 माह हेतु)	नगर पालिका राजस्व शाखा परिसर
प्लाट नंबर -02	चौकीदार क्वार्टर के पीछे से कोहका रिपटा की पार तक।	5000.00	48,000.00		
प्लाट नंबर -03	कोहका रिपटा की दूसरी पार से तालाब का उरई वाला भाग तथा बाईपास रोड की उत्तरी भाग का क्षेत्र बाईपास नहर वाली पुलिया तक (पौधा लगे क्षेत्र में जानवर चराना मना है।)	5000.00	48,000.00		
प्लाट नंबर -04	बाईपास पुलिया से दक्षिण पूर्वी भाग रामायणसिंह सिसोदिया गुसाई बाबा वाला क्षेत्र सम्मिलित करते हुये सिसोदिया के खेत अंतिम छोर तक।	5000.00	48,000.00		
प्लाट नंबर -05	बाईपास पुलिया के पास नहर की दोनो पार की उत्तरी पूर्वी सीमा छोटा तालाब वाला क्षेत्र घास/कृषि कार्य हेतु।	5000.00	48,000.00		
	राधादेही छोटा तालाब वाला क्षेत्र नगर पालिका सीमा तक की घास बीड़				

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका प्रशासन सिवनी

कार्यालय नगर परिषद लखनादौन जिला सिवनी (म.प्र.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/695/रा.शा./ न.परि. /2022 **लखनादौन दिनांक 10.03.2022**

अचल संपत्ति अंतरण हेतु दुकान नीलामी की द्वितीय निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद लखनादौन के स्वामित्व की वार्ड क्रमांक 08 सब्जी मंडी स्थित नवनिर्मित 04 दुकानों की नीलामी 30 वर्ष की अवधि के लिए सीलबंद निविदा आमंत्रण द्वारा अचल संपत्ति अंतरण नियम 24 फरवरी 2016 के तहत परिषद की बैठक दिनांक 25/02/2022 में निर्णय अनुसार नीलामी की जाना है। दुकान लेने के इच्छुक व्यक्ति सूचना प्रकाशन दिनांक से 24/03/2022 समय अपरान्ह 05:00 बजे तक प्रतिभूति निक्षेप राशि बैंक ड्राफ्ट टी.डी.आर./नगद के माध्यम से जमा सीलबंद लिफाफे में अपनी-अपनी प्रीमियम दर रजिस्टर्ड डॉक/बंद पेटी में डालकर ऑफर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई ऑफर मान्य नहीं किया जावेगा। अत: दुकानों का विवरण निम्नानुसार है -

कार्यो का विवरण

क्र.	दुकान क्रमांक	आरक्षण की स्थिति	आवेदन शुल्क	दुकान का साईज	आरक्षित मूल्य	प्रतिभूति निक्षेप राशि
1	2	3	4	5	6	7
~~1~~	~~01~~	~~अनुसूचित जाति~~	~~500/- रू.~~	~~9.11 वर्गमीटर~~	~~2,97,664/-~~	~~1,00,000/-~~
2	03	अनारक्षित वर्ग महिला	1000/- रू.	7.35 वर्गमीटर	2,40,157/-	1,00,000/-
3	04	अनुसूचित जनजाति	500/- रू.	6.30 वर्गमीटर	2,05,849/-	1,00,000/-
4	05	अनारक्षित	1000/- रू.	11.41 वर्गमीटर	3,13,536/-	1,00,000/-

प्राप्त सीलबंद लिफाफे ऑफरकर्ताओं के समक्ष दिनांक 25/03/2022 को सायं 02:00 बजे कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित ऑफरकर्ता/निविदादाता के समक्ष खोले जावेगें। दुकान निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं शर्ते निकाय की राजस्व शाखा में कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है।

(श्रीमति मंजू/किशन साह) अध्यक्ष	(श्री लियाकत अली खान) उपाध्यक्ष	(श्री प्रदीप राजपूत) सभापति, राजस्व एवं बाजार समिति	(श्री गजेन्द्र पाण्डेय) मुख्य नगर पालिका अधिकारी

नगर परिषद लखनादौन

स्मृति मंधाना और हरमन प्रीत ने शतक लगाए

महिला विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के बीच चौथे विकेट के लिए 184 रन की शानदार साझेदारी हुई, जिससे टीम इंडिया इतने विशाल लक्ष्य तक पहुंच सकी। भारत ने वेस्टइंडीज के सामन 318 रन का लक्ष्य रखा है।

झूलन गोस्वामी ने एक ओवर में 21 रन लुटाए

वेस्टइंडीज की शुरुआत आक्रामक रही है। पांच ओवर के बाद टीम ने बिना विकेट गंवाए 50 रन बना लिए हैं। झूलन ने विंडीज की पारी के पांचवें ओवर में 21 रन लुटाए। इसमें पांच चौके शामिल हैं। फिलहाल डिएन्ड्रा डॉटिन 18 गेंदों पर 29 रन और हेली मैथ्यूज 12 गेंदों पर 21 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रही हैं।

वेस्टइंडीज की तेज शुरुआत

हेली मैथ्यूज और डिएन्ड्रा डॉटिन ने वेस्टइंडीज को तेज शुरुआत दिलाई है। विंडीज ने चार ओवर के बाद बिना विकेट गंवाए 29 रन बना लिए हैं। फिलहाल डॉटिन 16 गेंदोंपर 21 रन और मैथ्यूज आठ रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत ने विंडीज के सामने 318 रन का लक्ष्य रखा है।

भारत ने वेस्टइंडीज को 318 रन का लक्ष्य दिया

भारत ने वेस्टइंडीज के सामने 318 रन का लक्ष्य रखा है। टीम इंडिया ने 50 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 317 रन बनाए। स्मृति मंधाना और उपकप्तान हरमनप्रीत कौर के बेहतरीन शतक ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मंधाना ने वनडे करियर का पांचवां शतक जड़ा। उन्होंने 119 गेंदों पर 13 चौके और दो छक्के की मदद से 123 रन की पारी खेली। वहीं, हरमनप्रीत कौर ने वनडे करियर का चौथा शतक लगाया। वह 107 गेंदों पर 10 चौके और दो छक्के की मदद से 109 रन बनाकर आउट हुईं। इसके अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं। यास्तिका ने मंधाना के साथ मिलकर टीम इंडिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी हुई। यास्तिका 21 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुईं। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके लगाए। इसके बाद कप्तान मिताली राज पांच रन, दीप्ति शर्मा 15 रन, ऋचा घोष पांच रन, पूजा वस्त्राकर 10 रन और झूलन गोस्वामी दो रन बनाकर आउट हुईं। दीप्ति के आउट होने के बाद मंधाना और हरमनप्रीत के बीच चौथे विकेट के लिए 174 गेंदों पर 184 रन की साझेदारी हुई। इसी की बदौलत टीम इंडिया विश्व कप में पहली बार 300 का आंकड़ा छूने में कामयाब हो सकी है।

मिताली के नाम दर्ज हुआ खास रिकॉर्ड

दुनिया की नंबर एक क्रिकेटर बनीं

मिताली आज महिला विश्व कप में 24वीं बार बतौर कप्तान मैदान में उतरी हैं। इससे पहले उनकी कप्तानी में 23 मैचों में भारत ने 14 जीते हैं और आठ मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैदान पर उतरते ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह अब महिला विश्व कप में सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली खिलाड़ी बन चुकी हैं। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। बेलिंडा क्लार्क ने 23 मैचों में कप्तानी की थी। मिताली आज महिला विश्व कप में 24वीं बार बतौर कप्तान मैदान में उतरी हैं। इससे पहले उनकी कप्तानी में 23 मैचों में भारत ने 14 जीते हैं और आठ मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं एक मैच बेनतीजा रहा है। 2022 महिला वनडे विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच से पहले मिताली की कप्तानी में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराया था। वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा था। बतौर बल्लेबाज भी मिताली का इस विश्व कप में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ वह नौ रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ 31 रन बना सकीं। वेस्टइंडीज के खिलाफ मिताली पांच रन ही बना सकीं। भारत को अगर विश्व कप जीतना है तो मिताली को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। यह उनका आखिरी विश्व कप भी हो सकता है। मिताली वनडे में दुनिया की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उनके नाम 227 वनडे की 206 पारियों में 7663 रन बना चुकी हैं। इसमें सात शतक और 62 अर्धशतक शामिल है।

महिला हॉकी लीग में भारत के सामने जर्मनी की चुनौती

खराब फॉर्म से जूझ रही है मेहमान टीम

एफआईएच प्रो लीग में अच्छी शुरुआत के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम ऊंची रैंकिंग वाली लेकिन खराब फॉर्म से जूझ रही जर्मनी के खिलाफ शनिवार को होने वाले पहले मैच में जीत की राह पर लौटने की कोशिश में होगी। प्रो लीग में पहली बार खेल रही भारतीय महिला टीम ने मस्कट में पहले दो मैचों में चीन को 7-1 और 2-1 से हराया। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज भारत ने इसके बाद छठी रैंकिंग वाली स्पेन को 2-1 से हराया लेकिन पिछले महीने रिटर्न चरण में 3-4 से हार गई। इस हार के बावजूद भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग तालिका में तीन जीत और एक हार के बाद नौ अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। चोटिल रानी रामपाल की जगह टीम की कप्तानी कर रही सविता पूनिया को कलिंगा स्टेडियम पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। स्पेन के खिलाफ पिछले मैच में आखिरी क्षणों में गोल गंवाना भारत पर भारी पड़ा। मौजूदा फॉर्म के आधार पर दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी लग रहा है। जर्मन टीम ने दो मैच खेले हैं लेकिन बेल्जियम ने उसे 1-0 और 3-1 से हराया। टीम अक्तूबर के बाद लीग में वापसी कर रही है। भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन को भली भांति पता है कि जर्मन टीम ब्रेक के बाद लौटने के बावजूद क्या कर सकती है । उन्होंने कहा , 'जर्मन टीम मूल कौशल के मामले में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है और लगातार अच्छा खेलती आई है । उनका डिफेंस मजबूत है और वे तेजी से आक्त्रस्मण करते हैं ।' भारतीय टीम में अक्षता अबासो धेकाले और दीपिका जूनियर के रूप में दो नये चेहरे हैं । दूसरा मैच रविवार को खेला जायेगा। भारतीय महिला और पुरूष टीम के मैच साथ में होने थे लेकिन जर्मन पुरूष टीम में कोरोना संक्त्रस्मण के मामले पाये जाने के बाद पुरूष टीमों के मैच स्थगित कर दिये गए।

कश्मीरी पंडितों पर बनी फिल्म देखने के बाद भावुक हुए सुरेश रैना

कश्मीर में हुए हत्याकांड के ऊपर बनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स सिनेमाघरों में आ चुकी और लगातार तारीफें बटोर रही है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भी यह फिल्म देखी है और काफी भावुक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है कि अगर यह फिल्म आपके दिल को छूती है तो कश्मीर के पीड़ितों की मदद के लिए आवाज उठाएं। सुरेश रैना का परिवार भी मूल रूप से कश्मीर का रहने वाला है, रैना में पंडितों के नरसंहार के बाद उनका परिवार उत्तर प्रदेश में आकर बस गया था। वो अब अपने परिवार के साथ गाजियाबाद में रहते हैं। कश्मीर में रैना के पूर्वजों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उनका परिवार कश्मीर छोड़कर उत्तर प्रदेश में बस गया था। रैना के पिता भारतीय सेना में थे और उन्हें बम बनाने में महारत हासिल थी।

भारत के लिए किया कमाल

सुरेश रैना ने भारतीय टीम में जगह बनाने के बाद कई ऐतिहासिक पारियां खेलीं। वे अंतरराष्ट्रीय टी-20 में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। वो पहले भारतीय खिलाड़ी हैं, जिन्होंने वनडे, टी-20 और टेस्ट तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है। रैना अपने दौर के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। बल्लेबाजी के अलावा उन्हें उपयोगी ऑफ स्पिन गेंदबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए भी जाना जाता था।

लखनऊ सुपर जायंट्स के थीम सॉन्ग में नजर आएंगे बादशाह

लॉन्चिंग से पहले ही टीम की जर्सी हुई लीक

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नई फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का थीम सॉन्ग और जर्सी लीक हो गई है। आईपीएल 2022 से दो हफ्ते पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बॉलीवुड के मशहूर रैपर बादशाह दिखाई दे रहे हैं। बादशाह ने थीम सॉन्ग की शूटिंग के दौरान टीम की जर्सी पहनी हुई थी। उन्होंने ही इस गाने को गाया भी है। लखनऊ सुपर जायंट्स को पिछले साल 25 अक्टूबर को आरपीएसजी ग्रुप ने खरीदा था। टीम के कप्तान भारत के ओपनर बल्लेबाज केएल राहुल हैं। बादशाह ने जो जर्सी थीम सॉन्ग की शूटिंग के दौरान पहनी है उसका रंग आसमानी है। जिसमें कंधों के चारों ओर नारंगी और कमर के चारों ओर हरे रंग की पट्टी है। इस पर टीम का लोगो भी लगा हुआ है। सुपर जायंट्स ने अभी तक ट्रेनिंग शुरू नहीं किया है। टीम के सपोर्ट स्टाफ के सदस्य पहले ही मुंबई के टीम होटल में पहुंच चुके हैं। मुख्य कोच एंडी फ्लावर, मेंटर गौतम गंभीर, सहायक कोच विजय दहिया, गेंदबाजी कोच एंडी बिशेल, फील्डिंग कोच रिचर्ड हल्सॉल, फिजियोथेरेपिस्ट जेम्स पाइप और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच वारेन एंड्रयूज सभी टीम होटल में शामिल हो गए हैं। खिलाड़ियों के पहले सेट के जल्द आने की उम्मीद है। संजीव गोयनका के मालिकाना हक वाली टीम ने कुल 18 खिलाड़ी नीलामी के दौरान खरीदे थे। तीन खिलाड़ियों उससे पहले ड्राफ्ट के जरिए शामिल किया था। उनमें केएल राहुल, मार्कस स्टोइनिस और रवि बिश्नोई थे। नीलामी में टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी आवेश खान थे। उन्हें टीम ने 10 करोड़ रुपये में खरीदा था। ओवरऑल बात करें तो केएल राहुल सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्हें टीम ने 17 करोड़ रुपये में ड्राफ्ट के दौरान चुना था। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम- केएल राहुल, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, क्विंटन डीकॉक, मनीष पांडे, जेसन होल्डर, दीपक हुड्डा, क्रुणाल पंड्या, मार्क वुड, आवेश खान, अंकित सिंह राजपूत, कृष्णप्पा गौतम, दुष्मंथा चमीरा, शाहबाज नदीम, मनन वोहरा, मोहसिन खान, आयुष बदोनी, करण शर्मा, कायेल मेयर्स, इविन लुईस, मयंक यादव।

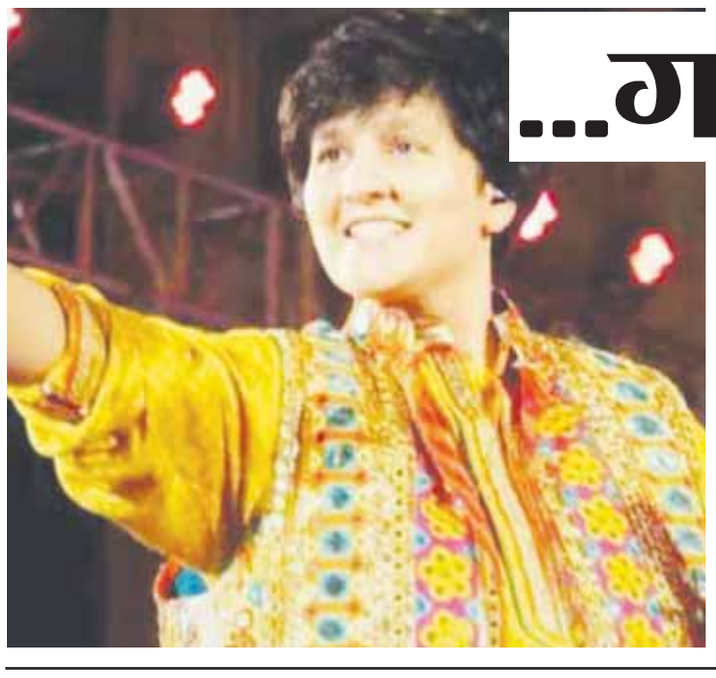

...गानों पर झूमते थे फैंस

भारत की गरबा क्वीन फाल्गुनी पाठक का आज जन्मदिन है। उनका जन्म 12 मार्च को 1964 को मुंबई में एक गुजराती परिवार हुआ था। बचपन से ही सिंगिग का शौक रखने वाली फाल्गुनी ने मात्र 9 साल की उम्र में ही अपना पहला स्टेज शो किया था। फाल्गुनी संगीत और गायिकी की दुनिया का वो नाम हैं, जिन्होंने 90 के दशक में लड़कियों को प्यार करना सिखाया और अपनी बेहद सुरीली आवाज से उनके दिल की आवाज बन गईं। फाल्गुनी पाठक मुंबई में पली-बढ़ी थीं। वे अपनी मम्मी-पापा की पांचवीं संतान हैं। फाल्गुनी के मम्मी-पापा 4 बेटियों के जन्म के बाद एक बेटे की उम्मीद कर रहे थे, पर उनकी 5वीं संतान भी एक लड़की ही हुई। फाल्गुनी इसलिए हमेशा लड़कों की तरह रहीं। उन्होंने 10 साल की उम्र में अपना पहला गाना अल्का याग्निक के साथ रिकॉर्ड किया था। 90 के दशक में फाल्गुनी पाठक का गाना हर किसी की जुबान पर हुआ करता था और हर फंक्शन पर लोग बड़े शौक से इसे बजाया करते थे। मैंने पायल है छनकाई, याद पिया की आने लगी, बोले जो कोयल बागों में और ओ पिया जैसे गानों ने खूब वाहवाही बटोरी थी।इस जमाने में उनके कई गाने हिट रहे और इनका जलवा भी काफी समय तक बरकरार रहा। गीत की दुनिया के अलावा फाल्गुनी टीवी के फेमस शो, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा', 'कौन बनेगा करोड़पति', 'स्टार डांडिया धूम', 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और प्राइमटाइम शो 'बा बहू और बेटी' में भी नजर आ चुकी हैं। फाल्गुनी को व्यापक तौर पर भारतीय मैडोना माना जाता है। उनका पहला एल्बम 1998 में रिलीज हुआ था। उन्होंने भारत सहित विदेशों में कई कार्यक्रम किए। 'ता थैया' नाम से उनका बैंड हुआ करता था, जिसके साथ वे परफॉर्मेंस देती थीं। वे लड़कियों के कपड़े पहनने से परहेज करती हैं। आज भी फाल्गुनी की डिमांड नवरात्रि में सबसे ज्यादा होती है। जब वे छुट्टी पर होती हैं तो वे घूमने जाती हैं। उन्हें घूमने का शौक है। वे गुजरात जाकर अपनी बहनों से भी मिलती हैं।

कहां गई बॉयकट हेयर स्टाइल रखने वाली वो सिंगर?

शुगर के मरीज होते हैं कांचियाबिंद के शिकार, करें पूर्व बचाव

जबलपुर,यशभारत। कोरोना काल में यशभारत ने स्वास्थ्य को लेकर विशेष चर्चा की है और आपको संक्रमण से बचने को लेकर लगातार जागरूक किया है, इसी कडी में आज हम आंखों पर अन्य बीमारियों को लेकर चर्चा शहर के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशतुभ हर्षे से शुगर को होने पर आंखों पर पडने वाले प्रभाव पर चर्चा करेगें।

डायबिटिक रैटिनोपैथी के समस्या को लेकर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशतुभ हर्षे से चर्चा

डायबिटिज कैसे करती है प्रभावित

डॉ. कौशतुभ हर्षे कहते है कि, डायबिटीज दो प्रकार की होती है एक टाईप वन जिसमें मरीज शुरूआत से इन्सुलिन पर रहता है वही दूसरा प्रकार बुजुर्गो को होता है जिसमें इन्सुलिन की आवश्यकता बाद में पडती है ऐसे में लम्बा समय होने के बाद यह आंखों के पर्दे पर प्रभाव डालती है जिसे डायबिटिक रैटिनोपैथी कहते है। जिसमें आंख की खून की नसों में असर पडता है जिसमें पानी रिसना, रक्त आना, आंखों का पर्दा फटना जैसे लक्षण देखे जाते है।

शुरूआती लक्षण

शुरुआती लक्षणों में फ्लोटर्सए धुंधलापनए आंखों के सामने अंधेरा छानाए रंगों को समझने में कठिनाई के अलावाए गंभीर समस्या में दृष्टिहीनता शामिल है। जिनमें समस्या बहुत गंभीर नहीं होतीए उनका इलाज डायबिटीज को मैनेज करके किया जाता हैए जबकि गंभीर मामलों में लेजर उपचार या सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है।

चिकित्सक की जिम्मेदारी ज्यादा

डॉ.हर्षे कहते है कि इसमें सबसे ज्यादा शुग के विशेषज्ञों की जिम्मेदारी है कि वह अपने मरीजों को आंखों की जांच के लिये भेजे फिलहाल शहर में यह जागरूकता है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का अभाव है, सरकार को चाहिये कि ऐसे मरीजों को चिन्हित कर उनका इलाज कराये।

सुरक्षा ही बचाव

डॉ. हर्षे कहते है कि रेटिनोपैथी से बचने के लिये सबसे जरूरी है समय समय पर जांच और इलाज है।

इस बीमारी के क्या है चरण

मुख्य रूप से इसे दो चरणों में भाग किया गया है एक नॉन प्रालिफेटिव रैटिनोपैथी बोलते है दूसरी प्रालिफेटिव रैटिनोपैथी शुरूआती चरण है नॉन प्रालिफेटिव रैटिनोपैथी में जहां मरीज की आंखों के रेटिना पर खून के थक्के आते है। जिसका इलाज किया जा सकता है। कभी कभी इसमें सूजन भी आती है जिसे आंखों में इंजेक्शन या लेजर से किया जा सकता है वही दूसरी प्रालिफेटिव रैटिनोपैथी एडवांस स्टेज है जिसमें पर्द में खून की सप्लाई बंद होने से पर्दा फट सकता है या कांचियाबिंद हो सकता है।

ऐसे करे बचाव

बचाव में सबसे पहले लोगों को यही करना चाहिए कि डायबिटीज का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने ना दें। डॉक्टर जो दवाएं देते हैंए उन्हें समय पर लेते रहें। डायबिटीज होने पर एक साल में दो बार आंखों की जांच कराएंए ताकि पता चल सके कि डायबिटीज के कारण आंखों पर कोई नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा है। इससे समय रहते इलाज शुरू किया जा सकता है।

जबलपुर एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा

एयर इंडिया की फ्लाईट लैंडिंग के दौरान हुई क्षतिग्रस्त, 35 यात्री थे सवार

जबलपुर, यशभारत। डुमना हवाई अड्डे पर आज शनिवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब दिल्ली से जबलपुर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट ई-6 लैंडिंग के दौरान अचानक अनियंत्रित होकर क्षतिग्रस्त हो गयी। जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की फ्लाईट ई-6 दिल्ली से उड़कर जबलपुर आ रही थी, जो अनियंत्रित होकर हवाई पट्टी से नीचे उतर गयी। बताया जा रहा है कि फ्लाइट का अगला चक्का रनवे पट्टी से नीचे उतर कर क्षतिग्रस्त हो गए। फ्लाइट में करीब 35 यात्री सवार थे। हालांकि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। मौके पर फायर बिग्रेड, एम्बुलेंस पहुंच गयी थी।

72 खण्डपीठों में आठ हजार मामलों का लोक अदालत में निराकरण

20634 प्री.लिटिगेशन मामलों पर आपसी समझौते का प्रयास

जबलपुर,यशभारत। नेशनल लोक अदालत का आज आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में हाईकोर्ट में जस्टिस माननीय विशाल धगट एवं एडवोकेट मुकेश शुक्ला की खंडपीठ ने कई प्रकरणों का निराकरण किया। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला एवं तहसील न्यायालयों में लोक अदालत का आयोजन किया गया है।

जबलपुर सिहोराए पाटन में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 72 खण्डपीठों का गठन किया गया। जिसमें विशेषतौर पर उन प्रकरणों को रखा गया है जिनमें आपसी समझौता हो सकता है।

लोक अदालत में सिविल, आपराधिक, चेक बाउंस, विद्युत अधिनियम, जलकर, सपंत्ति कर, पारिवारिक विवाद,मोटर दुर्घटनाए, श्रम प्रकरण, भूमि अधिग्रहण, बैंक रिकवरी, राजस्व प्रकरण व वैवाहिक प्रकृति के 8000 मामले परस्पर समझाइश के जरिये निराकृत किये जा रहे है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में 20634 प्री.लिटिगेशन मामले सूचीबद्ध किए गए हैं। सिविल मामलों में कोर्ट फीस वापस होगी। बिजली व नगर निगम आदि के मामलों में विशेष छूट का भी प्रविधान किया गया है। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव राजीव कर्महे ने राष्ट्रीय लोक अदालत में जलकर व संपत्ति कर को लेकर विशेष छूट का लाभ उठाने की अपील की थी। इस आयोजन में प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश नवीन कुमार सक्सेना का मार्गदर्शन उल्लेखनीय रहा। वही समन्वयक की भूमिका जीसी मिश्रा ने निभाई। इसके साथ ही विधिक सहायता अधिकारी एम जीलानी का संपूर्ण आयोजन को सफल बनाने की दिशा में अहम भूमिका रही।

पनागर हत्याकांड

भाई ने बताये हमला करने वालों के नाम

जबलपुर, यशभारत। पनागर मुख्य बाजार स्थित छोटे हनुमान मंदिर के पास शुक्रवार की देर रात चार बदमाशों ने बाइक सवार युवक की चाकुओं से गोदकर नृशंस हत्या कर दी। चारों हमलावर मेन मार्केट में लगे अनेक सीसीटीव्ही कैमरों में कैद हो गए। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को दबोचा है, जिनसे पूछताछ जारी है। वहीं, मृतक के भाई ने आरोपियों के नामों का खुलासा किया है। पुलिस मामले की बारीकी से जांच करने में जुटी है।

पनागर टीआई आरके सोनी के मुताबिक विनोबा भावे वार्ड निवासी संदीप पटेल (36) प्राइवेट जॉब करता है। शुक्रवार रात वह दोस्तों मोहित रजक व अंकित पटेल के साथ बाइक से निकला था। रात में तीनों अभिमन्यु चौक में रहने वाले आकाश प्रजापति के घर पहुंचे। इसके बाद रात 11 बजे वे घर के लिए निकल रहे थे। अभिमन्यु चौक पर पहले से चारों आरोपी मौजूद थे। चारों ने संदीप को रोका और उस पर चाकू व रॉड से दनादन वार करने लगे।

दोनों दोस्त छोड़कर भागे

हमलावरों से घिरा संदीप पटेल मदद के लिए चीखता रहा, लेकिन उसके दोनों दोस्त मोहित व अंकित भाग निकले। आरोपियों ने संदीप के पेट, सीने में चाकू से कई वार किए। वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। दोस्तों से सूचना पाकर परिजन

मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग चुके थे। संदीप वहां बेहोशी की हालत में मिला। परिजन उसे लेकर मेट्रो अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भाई ने किया हत्यारों का खुलासा

मृतक संदीप रजक के भाई विनोद ने बताया कि उसके भाई रानीताल स्थित एक प्राइवेट बैंक में काम करते थे। उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। चारों हमलावर नीरज पटैल, सुरेन्द्र ठाकुर, रितिक पटैल और एक अन्य उसके साथी ने उसके भाई के ऊपर पहले डंडों से वार किया और बाद में किनारे ले जाकर, चाकू से गोद कर मौत के घाट उतार दिया। वहीं, पुलिस संदिग्धों से सख्त पूछताछ कर रही है।

हर एंगल से जांच जारी

पनागर थाना प्रभारी आरके सोनी ने बताया कि मृतक करीब चार साल पहले बदमाश था। लेकिन वर्तमान में वह बैंक कर्मचारी था और बदमाशी छोड़ चुका था। चारों हमलावरों ने किसी पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या की है। मामले की पड़ताल जारी है।

बमकांड का इनामी आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

जबलपु यशभारत। घमापुर में बमकांड के इनामी आरोपी को पुलिस ने दरमियानी रात छोटे पाटबाबा क्षेत्र में चाकू के साथ दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ अनेक आपराधिक मामले कायम है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है। जानकारी अनुसार थाने में आभा पटैल निवासी शीतलामाई ने पुलिस को बताया कि उसके घर में बम फेककर दहशत फैलाई गई। घटना के बाद पीड़ित परिजन डरे-सहमे थे। पुलिस ने तीन अज्ञात आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज कर, विवेचना में लिया था। पड़ताल के दौरान पुलिस ने सीसीटीन्ही फु टेज के

आधार पर आरोपी बाबिल कुचंबधिया, अंशुल कोरी को प्रकरण में गिरफ्तार किया गया तथा तीसरा आरोपी अभिनव यादव निवासी ललित कॉलोनी का घटना के बाद से फरार हो गया था , जो आदतन अपराधिक प्रवृत्ति का है। जिसकी गिरफ्तारी पर एसपी ने 1000 की घोषणा की गई थी। पुलिस ने बताया कि एसपी के मार्गदर्शन एवं अति. पुलि. अधीक्षक उत्तर व सीएसपी रांझी के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपी अभिनव यादव निवासी ललित कॉलोनी थाना बेलबाग को छोटे पाटबाबा क्षेत्र में अवैध हथियार चाकू के साथ पकड़ा गया। जिसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्यवाही कर गिरफ्तारी की गई है। र

ननिहाल जाते समय बाइक फिसली

नाती की मौत

जबलपुर, यशभारत। माढ़ोताल थाना अंतर्गत कटंगी बायपास में पिता के साथ ननिहाल जा रहे एक 6 वर्षीय मासूम की सड़क दुर्घटना में आज शनिवार की सुबह मौत हो गयी। हादसे के दौरान तेज रफ्तार बाइक के चालक ने अचानक अगला ब्रेक लगाया, जिसके बाद बाइक पलट गयी और वाहन चालक पिता और मासूम वाहन समेत रोड से उछलकर करीब पांच फिट दूर जा गिरे। जिसके चलते मासूम के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

माढ़ोताल पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि अख्तर मंसूरी निवासी मिलौनीगंज गोहलपुर अपने 6 वर्षीय मासूम अजान मंसूरी के साथ कटंगी बायपास से जा रहा था। तभी रफ्तार धीमी करने के चक्कर में बाइक पलट गयी। जिसके चलते पिता और बेटा दोनों घायल हो गए। हादसे में मासूम को अधिक चोट आने के कारण उसकी दर्दनाक मौत हो गयी।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

वहीं हादसे की खबर जैसे ही परिजनों को लगी, वे तत्काल मेडिकल अस्पताल पहुंचे और मासूम को कफन में लिपटा हुआ देखकर फफक-फफक का रोने लगे। जिन्हें पुलिस और आसपास के पहुंचे क्षेत्रवासियों ने ढ़ांढस बंधाया। पुलिस मामले की बारीकी से पड़ताल कर रही है।

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
फ्रुट आयटम उपलब्ध
→चना →रेबड़ी →गजक →ड्रायफ्रूट
→नमकीन →तोस →लईया →लड्डू →भेल
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

प्रो. प्रेरणा रोहरा
कुल्हड़ वाला –गरमागरम
केसर दूध
सूखे मेवे से भरपूर
विजय नगर, एकता चौक, जेन्ट्री गेट के नीचे
शाम- 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक (अवश्य पधारें) मो. 7974758785

वास्तविक नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन
शंकरा आई फाउंडेशन के VISION 100000 प्रोजेक्ट के अंतर्गत
दक्ष नेत्रालय
लेंस का भी चार्ज नहीं
डॉ. चैताली पटेल हर्षे MBBS, MS, FLVPEI (LV PRASAD EYE INSTITUTE)
डॉ. कौस्तुभ हर्षे MBBS (AFMC), DNB (GOLD MEDAL), FVRS (SANKARA)
परामर्श शुल्क 350/-
प्रथम तल, ओमेगा चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर
9111021252, 0761-4925929, 7049984830
सोम- शनि । समय: 10AM-6PM

1 ग्राम ए.डी. एवं फैंसी ज्वेलरी के थोक विक्रेता
पूजा जैसा कोई न दूजा
पूजा इमीटेशन
पेपर कटिंग लाने पर एक जोड़ी ईयर रिंग फ्री
मात्र 800 की खरीदी पर एक आईकोनिक काजल फ्री
1 ग्राम गोल्ड शोरूम
पता: चूड़ी गली, अन्नपूर्णा मार्केट, गंजीपुरा, जबलपुर (म.प्र.) मों: 9826243750

स्माईल्स by डॉ. शंकरन
व्यापक दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र
केयर ऑफ मंजूषा नर्सिंग एवं मेटरनिटी होम किंग्सवे मेन रोड, सदर बाजार, जबलपुर (म.प्र.) 482001
0761-4098765, मो.9826110610
Website-www.smilesbydrshankaran.com
Email-info@smilesbydrshankaran.com
dr.abhilash@rocketmai.com
डॉ. अभिलाष शंकरन
बी.डी.एस., एम.डी.एस., (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडॉन्टिक्स) रजि नं. A- 1918
रूट कैनाल एवं सौंदर्य दंत चिकित्सा विशेषज्ञ
यहाँ दांतों की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।
– : सुविधाएँ उपलब्ध :–
दंतों की नस का इलाज (रूट कैनाल ट्रीटमेंट), कॉस्मेटिक डेंटिल फिलिंग।, दंतों के पीलेपन का उपचार (डेंटल ब्लीचिंग)।, डेंटल एक्सरे।, दंतों की सफाई (स्केलिंग) एवं पायरिया रोग का उपचार।, फिक्स दाँत लगवाना (सिरामिक एवं मेटल)।, टेढ़े दातों का इलाज (आर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, बत्तीसी लगवाना- फिक्स एवं निकालने वाली (डेन्चर)।, बच्चों के दांतों का इलाज (पीडोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, डेंटल इम्प्लांट।, डेन्टल ज्वेलरी।, सड़े हुए दातों को निकालना (डेंटल एक्सट्रैक्शन)।

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED Co.
मैरिज स्पेशल शूज
डीसेन्ट फुटवेयर
Exclusive Party Shoes
करमचंद चौक, जबलपुर
प्रो. आकाश श्रीवास्तव
मो.: 9425159114, 8982481114

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे
Life Care ICU मुखर्जी हॉस्पिटल
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. कार्डियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल (छाति एवं सांस रोग विशेषज्ञ एम.डी)
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंज्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग- पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, नि:शुल्क उपलब्ध।
पता:- 1933,प्रेम मंदिर के पास राइट टऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्र:-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोन:- 0761- 4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

आवश्यकता है हेल्थ एवं लाइफ इंश्योरेंस
विश्व की बहुचर्चित कंपनी में कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। मार्केटिंग वालों को प्रथम प्राथमिकता
योग्यता- 10वीं से स्नातक
शीघ्र संपर्क करें
वेतन 5 अंकों में
मो. 9300068860, 7987249262

श्री लक्ष्मी मेडिकल
यहां सभी प्रकार की दवाईयां उपलब्ध, साथ ही पायें 15 से 70 प्रतिशत तक की छूट
त्रिवेणी हेल्थ केयर के सामने राइट टाउन स्टेडियम के पास
मो. 9977213219,7691912082

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)